इंदौर, शनिवार 25 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 231
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

बॉन्ड में लग रहा निगम को फटका

पेज-2

अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं : महिमा

पेज-5

निलंबन की मांग उठी तो अचानक मिली शिक्षकों की फाइलें!

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- कोलकाता पुलिस ने कल छात्रों के मार्च में हुई हिंसा पर 6 FIR दर्ज की
- दिल्ली : टाइफाइड से पीड़ित अभिजीत दिपके, वीडियो जारी कर दी जानकारी
- महाराष्ट्र TET पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, बिहार से दबोचा गया बिजेंद्र गुप्ता
- जंतर-मंतर प्रदर्शन में 2500 से ज्यादा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग चिन्हित, अब तक 15 FIR दर्ज, आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था सख्त
- दिल्ली में आज 18 मेट्रो स्टेशन रहेंगे बंद, CJP आंदोलन के बीच बड़ा फैसला
- भारत-जिम्बाब्वे के बीच दूसरा टी20 आज
- कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने खोला भारत का खाता, जीता ब्रॉन्ज मेडल
- आज देशभर में कांग्रेस का कैंडललाइट मार्च
- प्रियंका गांधी वायनाड में भूस्खलन वाली जगह का दौरा करेंगी

मतदान में चार दिन शेष, दतिया के रण में उतरे स्टार प्रचारक

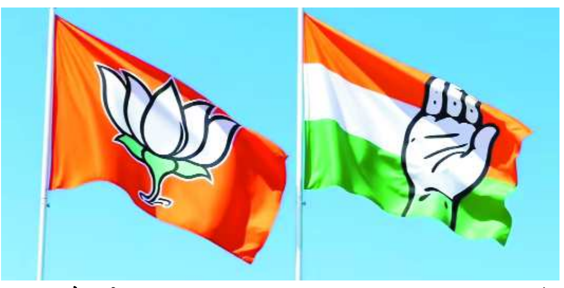

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

दतिया • भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने दतिया उपचुनाव में ताकत झोंक दी है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के पक्ष बड़ौनी की चुनावी सभा को संबोधित किया। वह बोले-दतिया ने ठाना है नरोत्तम-आशुतोष की जोड़ी को जिताना है। प्राण जाए पर वचन न जाए.. दतिया से किए हर वायदे पूरे किए। सिंधिया ने उपलब्धियां गिनाते हुए चुनाव कमल खिलाने की अपील भी की।

25 जुलाई को सीएम डॉ. मोहन यादव भी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस ने भी जातीय गणित साधने अपने ब्राह्मण, क्षत्रिय और ओबीसी वर्ग के नेताओं को हर बूथ और बस्ती की जवाबदारी सौंप दी। भाजपा ने उपचुनाव के लिए हर दिन की अलग रणनीति पर अमल किया है। सीएम डॉ. यादव दतिया में चुनावी सभा के साथ ही प्रबुद्धजन बैठक और व्यापारी सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

कांग्रेस की जातीय गणित साधने की बड़ी कवायद

दतिया उपचुनाव कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। यही वजह है कि प्रदेश कांग्रेस के कई बड़े नेता दतिया में डेरा डाले हुए हैं। बूथ स्तर की बैठकों से लेकर गांव-गांव जनसंपर्क और सामाजिक समीकरण साधने तक की जिम्मेदारी अलग-अलग नेताओं को सौंपी गई है। कांग्रेस का पूरा फोकस अनुसूचित जाति, ओबीसी और परंपरागत समर्थक वोट बैंक को एकजुट रखने पर है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के 26 जुलाई को पहुंचेंगे, जबकि कमलनाथ अब तक कांग्रेस के लिए वोट मांगने नहीं पहुंचे हैं।

ये स्टार प्रचारक लगातार सक्रिय : प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी संगठन और बूथ प्रबंधन संभाल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार कार्यकर्ता बैठकें कर रहे हैं। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, जयवर्धन सिंह, प्रियव्रत सिंह, सिद्धार्थ कुशवाह और कैलाश कुशवाह सहित कई नेता क्षेत्रवार जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

'सेल्फी' और 'रील' स्पॉट बना डबलडेकर ब्रिज

दूसरे ही दिन उमड़ी भीड़, रील बनाने वालों से थमी रफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • करीब 175 करोड़ रुपये की लागत से तैयार डबल डेकर ब्रिज अब सिर्फ यातायात का नया विकल्प नहीं, बल्कि लोगों के लिए पसंदीदा सेल्फी और रील स्पॉट भी बन गया है। हालात ऐसे बने कि कई लोग फोटो और वीडियो बनाने के लिए अपने वाहन रोकने लगे, जिससे यातायात की रफ्तार भी प्रभावित हुई।

ब्रिज पर कोई सेल्फी लेता नजर आया तो कोई सोशल मीडिया के लिए रील बनाता दिखा। कई युवा 73 फीट की ऊंचाई पर बह रही ठंडी हवाओं का आनंद लेते हुए अलग-अलग अंदाज में फोटो और वीडियो शूट करते दिखाई दिए।

73 फीट की ऊंचाई-डबल डेकर ब्रिज की सबसे बड़ी खासियत इसकी करीब 73 फीट ऊंचाई है। यहां से शहर का विहंगम दृश्य साफ दिखाई देता है। दिन में दूर-दूर तक फैली इमारतें और रात में रोशनी से जगमगाता शहर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। यही वजह है कि उद्घाटन के साथ ही यह ब्रिज सोशल मीडिया यूजर्स के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गया है और लोग इसे नया 'रील स्पॉट' मानकर बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं।

बिगड़ने लगी यातायात व्यवस्था

शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे वाहन खड़े कर फोटो और वीडियो बनाने लगे। इससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित होने की स्थिति बन गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) ने ब्रिज पर सुरक्षा गार्ड तैनात किए। गार्ड लोगों से सड़क पर अधिक देर तक नहीं रुकने और यातायात बाधित नहीं करने की अपील करते रहे।

फिनिशिंग का काम जारी

हालांकि ब्रिज का निर्माण कार्य पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। लोकार्पण के दूसरे दिन भी रंगाई-पुताई और फिनिशिंग का काम जारी रहा। निर्माण एजेंसी अंतिम चरण के कार्यों को पूरा करने में जुटी रही, जबकि दूसरी ओर शहरवासी नए ब्रिज का अनुभव लेने के लिए लगातार पहुंचते रहे।

टीम नितिन... नए चेहरे... नया संदेश!

नई दिल्ली (एजेंसी) • भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम को लेकर दिल्ली से बड़ी और बेहद अहम खबर सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, 'टीम नितिन' का पूरा खाका लगभग तैयार हो चुका है और अगले 48 घंटे में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का ऐलान हो सकता है। संभावित नेताओं के नाम लगभग तय माने जा रहे हैं और कुछ नेताओं को अंतिम दौर की कवायद के लिए दिल्ली बुलाए जाने की भी चर्चा है।

सूत्रों की मानें तो नितिन नवीन की टीम में इस बार युवा और नए चेहरों को सबसे ज्यादा तवज्जो मिल सकती है। भाजपा संगठन में नई ऊर्जा और नई सोच के साथ आगे बढ़ने की रणनीति के तहत कई युवा नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। यानी संकेत साफ हैं—टीम नितिन में अनुभव के साथ युवा जोश का नया समीकरण दिखाई दे सकता है।

मध्यप्रदेश का नाम बना सबसे बड़ा सस्पेंस!

इस पूरी कवायद में सबसे ज्यादा नजरें मध्यप्रदेश पर टिकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश से टीम नितिन में एक ऐसा नाम शामिल हो सकता है, जिसकी उम्मीद शायद बहुत कम लोगों को है।

नाम सामने आते ही मध्यप्रदेश भाजपा की सियासत में हलचल तय मानी जा रही है। हालांकि, संभावित नाम को लेकर पार्टी स्तर पर पूरी गोपनीयता बरती जा रही है और अंतिम समय तक सस्पेंस बनाए रखा जा सकता है।

दिल्ली में डेरा... फोन पर खामोशी!

संभावित राष्ट्रीय पदाधिकारियों को दिल्ली बुलाए जाने की खबरों के बीच भाजपा के अंदरखाने में भी उत्सुकता बढ़ गई है। कई नेताओं की नजरें दिल्ली से आने वाले फोन पर टिकी हैं, जबकि संभावित नामों को लेकर चर्चाओं का दौर तेज है।

पीएम मोदी के वीडियो ने बनाया 24 घंटे में सबसे ज्यादा व्यूज का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी) • प्रदर्शनकारियों और सरकार के बीच आज (शनिवार को) फिर से मीटिंग होने वाली है। प्रोटेस्टर्स की ये मीटिंग शिक्षा मंत्री के इस्तीफे वाली मांग को लेकर है। लेकिन उससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वीडियो मैसेज के जरिए जेन-जी से डायरेक्ट संवाद किया है।

24 घंटे में पीएम मोदी का ये दूसरा वीडियो मैसेज है, जिसमें उन्होंने गुरुवार को शेयर किए गए अपने वीडियो पर मिले रिस्पॉन्स के लिए लोगों का और खासकर तद्दर्ठुं को थैंक्यू कहा। वहीं पीएममोदी के पहले वीडियो ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।

जान लें कि इससे पहले पीएम मोदी ने गुरुवार को जो वीडियो मैसेज जारी किया था, उसने सोशल मीडिया पर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। पीएम के इस वीडियो को 24 घंटे में 300 मिलियन यानी

30 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। ये एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। पीएम के वीडियो को 24 घंटे में इंस्टाग्राम पर 303 मिलियन व्यूज मिले। इससे पहले का वर्ल्ड रिकॉर्ड 300 मिलियन का था, जो Streamer IShowSpeed ने बनाया था। खबर लिखे जाने तक पीएम मोदी के गुरुवार वाले वीडियो को 322 मिलियन बार देखा जा चुका है।

निगम में फर्जीवाड़े की नई पटकथा

■ भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद
■ बेखौफ होकर दे रहे हैं फर्जीवाड़े कामों को अंजाम
■ पहला खत्म नहीं हुआ, दूसरा फिर उजागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एक फर्जीवाड़े की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि वित्तीय अनियमितता का एक और मामला सामने आ गया। 354 फर्जी नामांतरण प्रकरण की जाँच के बीच अब मस्टर कर्मचारियों के वेतन भुगतान में गड़बड़ी का खुलासा हुआ है।

आरोप है कि पांच कर्मचारियों के बैंक खाते बदलकर करीब 3 लाख रुपये की राशि अनाधिकृत खाते में ट्रांसफर कर दी गई। इससे स्पष्ट है कि इन दिनों इंदौर नगर निगम में भ्रष्टाचारी बेखौफ काम का अंजाम दे रहे हैं। उधर, मामले की जानकारी मिलते ही नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो

कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल समाप्त कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

कैसे सामने आया फर्जीवाड़ा-अफसरों की माने तो पिछले महीने मस्टर कर्मचारियों के वेतन की एनईएफटी बैंक फाइल फेल होने के बाद लेखा विभाग ने भुगतान प्रक्रिया की जांच की। परीक्षण के दौरान पता चला कि पांच मस्टर कर्मचारियों के मूल बैंक खाते बदलकर किसी अन्य अनाधिकृत खाते में वेतन राशि भेजी गई। प्रारंभिक जांच में करीब 3 लाख रुपये के वित्तीय गबन की आशंका जताई गई है।

ये पाए गए दोषी-प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में प्रधान कार्यालय (स्थापना शाखा) में कार्यरत अमन सालवी (उच्च कुशल श्रमिक, अस्थायी) की संलिप्तता सामने आई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने कर्मचारियों के बैंक खातों में बदलाव कर राशि अन्य खाते में अंतरित कर निगम को वित्तीय नुकसान पहुंचाया। इसके बाद निगम प्रशासन ने अमन सालवी को तत्काल कार्यमुक्त करते हुए उनका पारिश्रमिक भुगतान रोक दिया और उनकी कर्मचारी आईडी भी लॉक कर दी।

लगातार सामने आ रहे हैं वित्तीय अनियमितता के मामले

नगर निगम में हाल के दिनों में वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं के कई मामले सामने आए हैं। पहले से चर्चित 354 फर्जी नामांतरण प्रकरण की जांच जारी है। इसी बीच वेतन भुगतान में बैंक खाते बदलकर राशि ट्रांसफर किए जाने का मामला सामने आने से निगम की आंतरिक वित्तीय निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, इस मामले में अभी प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। अंतिम जिम्मेदारी और संभावित आपराधिक दोप का निर्धारण पुलिस जांच और आगे की विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

वांगचुक की भूख हड़ताल समाप्त करवाने में कांग्रेस सांसद का रोल

नई दिल्ली (एजेंसी) • सोनम वांगचुक ने शुक्रवार रात 10:53 बजे एक और वीडियो मैसेज जारी किया है। उन्होंने कहा- 26 दिन भूखा रहने के बाद 11 किलो वजन कम हो गया है, क्या मुझे किसी से कैरेक्टर सर्टिफिकेट लेना पड़ेगा कि मेरा अनशन कितना पवित्र था। उन्होंने कहा- वहीं सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल तुड़वाने में कांग्रेस सांसद का रोल सामने आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने सरकार और वांगचुक के बीच के गतिरोध को खत्म किया।

करीब 3 दिन तक बैक चैनल बातचीत चली। कई स्तरों पर कोशिशें की गईं। इसके बाद सहमति बनाने में कामयाबी मिली। तन्खा पहले भी वांगचुक के एनएसए मामले में सुप्रीम कोर्ट में उनकी ओर से पैरवी कर चुके हैं।

दोनों के बीच अच्छे रिश्ते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि बातचीत में लद्दाख के कुछ नेताओं ने भी मध्यस्थ की भूमिका निभाई।

अनशन तोड़ने के बाद वांगचुक ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सरकार ने कोई आश्वासन नहीं दिया है। उनके लिए सबसे अहम बात छात्रों पर कार्रवाई रुकवानी थी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इतना जरूरी नहीं था।

नए निजाम के आते ही बदला इंदौर का प्रशासनिक मिजाज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश में प्रशासनिक मुखिया बदलते ही सत्ता के गलियारों में बदलाव की आहट तेज हो गई है। नए मुख्य सचिव की ताजपोशी के महज 24 घंटे के भीतर हुई बड़ी प्रशासनिक सर्जरी ने साफ संकेत दे दिए हैं कि आने वाले दिनों में प्रदेश की प्रशासनिक तस्वीर तेजी से बदल सकती है। इसका असर सबसे पहले इंदौर में दिखाई दिया है।

इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े को भोपाल बुलाकर मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है। प्रशासनिक गलियारों में इस बदलाव को नए मुख्य सचिव के साथ उनकी करीबी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन सत्ता के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

सिद्धार्थ जैन को अभी 'मैदान' नहीं

इंदौर जिला पंचायत के सीईओ रह चुके सिद्धार्थ जैन को फिलहाल कोई मैदानी जिम्मेदारी नहीं दी गई है। इसे भी प्रशासनिक हलकों में कई तरह से देखा जा रहा है। चर्चा है कि पुराने मुख्य सचिव के करीबी अधिकारियों के भविष्य को लेकर नई व्यवस्था में फिलहाल मंथन चल रहा है। हालांकि, इंदौर जैसे बड़े और महत्वपूर्ण जिले में जिला पंचायत सीईओ रहते हुए सिद्धार्थ जैन की कार्यशैली को लेकर भी कोई खास चर्चा नहीं रही।

■ **'नए लक्ष्य' के साथ इंदौर पहुंचे नए आयुक्त :** इधर, इंदौर संभाग को नया आयुक्त मिल गया है। नए संभागायुक्त के सामने इंदौर जैसे महत्वपूर्ण संभाग की प्रशासनिक चुनौतियों से निपटने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके पास नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। नए आयुक्त के आने के साथ ही इंदौर संभाग की प्रशासनिक कार्यशैली में बदलाव की उम्मीद भी जताई जा रही है। अब देखना होगा कि वे इंदौर के विकास, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक समन्वय को किस तरह नई दिशा देते हैं।

■ **हिमांशु प्रजापति इंदौर में ही, बदली कुर्सी :** इधर, हिमांशु प्रजापति भी इंदौर में ही रहेंगे, लेकिन उनकी जिम्मेदारी बदल दी गई है। अब उन्हें जिला पंचायत सीईओ बनाया गया है। यानी प्रशासनिक फेरबदल में इंदौर से पूरी तरह विदाई नहीं, बल्कि कुछ अधिकारियों की कुर्सी बदली है और कुछ को नई जिम्मेदारियां मिली हैं।

अब तक के सबसे बड़े कर्ज के लिए बांड जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश सरकार ने 20 हजार करोड़ रुपए का अब तक का सबसे बड़ा कर्ज लेने के लिए 22 साल का बांड जारी किया है। वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए गवर्नमेंट सिक्योरिटीज के माध्यम से यह राशि जुटाने के लिए मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक के मुंबई कार्यालय में नीलामी आयोजित की गई है।

इसके अलावा सरकार तीन अन्य कर्ज भी 4400 करोड़ के ले रही है। 4400 करोड़ रुपए की कर्ज की राशि का भुगतान सरकार को बुधवार को होने वाला है।

वित्त विभाग द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 20 हजार करोड़ का बांड जारी करने की कार्यवाही में निवेशकों 10,000 रुपये तथा उसके बाद 10,000 रुपये के गुणकों में निवेश करने की शर्त तय की गई।

बोली प्रक्रिया मंगलवार को आरबीआई के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित की गई।

सरकार के अनुसार इसके लिए जारी सिक्योरिटीज पर 7.83 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिलेगा। इस 20 हजार करोड़ के कर्ज के लिए बांड जारी करने के बाद सरकार को इसका रिजल्ट बुधवार को मिलेगा।

इसके बदले ब्याज का भुगतान हर वर्ष 29 अक्टूबर और 29 अप्रैल को किया जाएगा। 31 मार्च 2026 की स्थिति में मध्य प्रदेश सरकार पर कुल 4,88,714.17 करोड़ रुपये का ऋण दर्ज किया गया है। इसमें बाजार ऋण, केंद्र सरकार से प्राप्त ऋण, वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण तथा अन्य देनदारियां शामिल हैं।

बॉन्ड में लग रहा निगम को फटका, ऊंचे ब्याज का बिचोलिए उठा रहे फायदा

1530 करोड़ जुटाने की जद्दोजहद में कंसल्टेंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश सरकार ने जहां एक ओर सरकारी बॉन्ड में निवेश करने वाले विदेशी निवशकों को टैक्स फ्री कर दिया है। इसकों लेकर अध्यादेश भी जारी कर दिया गया है। यह एक बड़ा फैसला कैबिनेट में लिया गया है लेकिन यदि नगर निगम इंदौर की बात की जाए तो नगर निगम को बांड निकालने पर ऊंचे ब्याज का फटका लग रहा है जिसको लेकर अधिकारी मंथन कर रहे है।

बताया जा रहा है कि बांड तभी फायदेमंद हो सकता है जब यह कम ब्याज दर पर मिले लेकिन इसके विपरित निगम में सक्रिय बिचोलिए ऊंचे ब्याज पर बांड निकाल कर निगम को ऊंचे ब्याज का फटका लगवा रहे है जहां नगर निगम एक ओर वित्तिय संकटों से जुझ रहा है। ऐसे में ऊंचे ब्याज दर पर बांड से राशि जुटाना खतरनाक साबित हो सकता है।

राशि जमा होने के बाद एक जैसा ब्याज - बांड निकालने का कोई बड़ा फायदा नगर निगम इंदौर को नहीं हो रहा है। ऐसा ही कुछ एनालिसिस नगर निगम में चल रहा है। कंसल्टेंट बांड को बता रहे बेहतर इंदौर अमृत योजना 4 के तहत शहर में 1530 करोड़ राशि से जल योजनाएं तैयार की जाना है। यह राशि जुटाने में नगर निगम ने कंसल्टेंट के साथ तो गतिविधियां प्रारंभ की ही है। खुद भी अपने स्तर पर एनालिसिस करने में कोशिश में लगा हुआ है। कंसल्टेंट जहां बांड को बेहतर बता रहे हैं। कंसल्टेंट बांड के फायदे गिना कर निवेशकों का फायदा देख रहे है

ताकि बांड को जल्द निकाल कर पैसा जुटा सके लेकिन जब एक मुश्त पैसा लगता ही नहीं है तो एक मुश्त रूपए आने का कोई फायदा नही। इसमें ऊंचे ब्याज का फायद निवेशको को ही हो रहा है। जैसी की जलूद वाले मामलें के परिणाम सामने आए है।

बैंक लोन होता है अधिक सस्ता नगर निगम के अधिकारियों को बैंक लोन अधिक सस्ता और कारगर लग रहा है। सुत्रों का कहना है कि पहले के जो बॉन्ड जारी हुए हैं उनकी सब्सिडी भी अब तक नगर निगम को नहीं मिल पाई है। वे पैसे बैंक के खातों में ही जमा है। यह राशि तभी हासिल होगी जब बॉन्डकी राशि पूरी तरह चुकता हो जाएगी। ऐसे में सब्सिडी के रूप में मिलने वाली राशि भी नगर निगम के लिए इस वक्त तो कोई फायदा नहीं दे रही है।

ग्रीन बांड से नहीं मिला कोई फायदा नगर निगम ने विगत साल में जो ग्रीन बॉन्ड लिया था, उस बॉन्ड से जलूद में सोलर पैनल लगाए गए। यह बॉन्ड 8 ज्की दर पर लिया गया। इस बॉन्डके जारी होने से कंसल्टेंट ने नगर निगम को फायदा होने की जो बातें बताई गई थी वह तो हो नहीं पाई क्योंकि यह प्रोजेक्ट ही दो ढाई साल लेट हो गया। 2023 में यह बॉन्ड जारी किया गया था और इससे पैसे जुटाए गए थे।

1530 करोड़ जुटाने के प्रयास- वर्तमान में अमृत 4 योजना के तहत नगर निगम 1530 करोड़ जुटाने की तैयारी में लगा हुआ है। कंसल्टेंट जहां बॉण्ड को बेहतर बता रहे हैं, वहीं अधिकारियों का कहना है कि बैंक लोन अधिक कारगर है क्योंकि इस लोन में जितना पैसा जमा होता है, उतने पैसे पर ब्याज फिर नहीं लगता, लेकिन यहां तो एक बार जो रेट तय हो गए उसी हिसाब से ब्याज अंत तक चुकाना पड़ता है। इसके अलावा कंसल्टेंट से लेकर बॉन्ड जारी करने में जो जो एजेंसियां शामिल होती जाती हैं उन सबका कमीशन और उन सबका सर्विस चार्ज भी नगर निगम को ही भुगतना पड़ता है। ऐसी स्थिति में बॉन्ड अधिक भारी पड़ता है जबकि इसके विपरीत यदि किसी बैंक से लोन लिया जाता है तो वह लोन कटमति आधार पर होता है, बैंक के किश्त जाते ही बैंक बचे हुए मूलधन से राशि की गणना करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दूरस्थ मजरे, फलिए के 17 हजार घर रोशन हुए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीए जुगा) में गांवों की मूल बसाहट से अत्यंत दूर स्थित मजरे, टोले, फलिए के घरों को रोशन करने का अभियान संचालित किया जा रहा है। आठ माह के दौरान करीब 17000 दूरस्थ घरों को रोशन किया गया है। यह शासन की हर व्यक्ति, हर परिवार तक बिजली पहुंचाने की प्रतिबद्धता एवं बिजली कार्मिकों के कठिन परिश्रम को दर्शाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि बड़वानी जिले में करीब पांच हजार, खरगोन जिले में करीब ढाई हजार, झाबुआ में 2100, आलीराजपुर में 1600, धार में 1600 देवास जिले के कन्नौद, बागली के दूरस्थ क्षेत्र में 1100, रतलाम के बाजना, रावटी, सैलाना के वनवासी दूरस्थ क्षेत्र में 1000, बुरहानपुर में 700, इंदौर जिले के महू क्षेत्र के दूरस्थ वनवासी इलाकों के 30 से ज्यादा घरों को रोशन किया गया हैं।

मेगा जॉब फेयर में उमड़ा युवाओं का जनसैलाब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य भारत के प्रतिष्ठित एनएएसी एवं एनबीए मान्यता प्राप्त चमेली देवी ग्रुप इंस्टीट्यूड ग्राम उमरीखेड़ा, खंडवा रोड, इंदौर में शुक्रवार को आयोजित सीडीजीआई कैरियर कनेक्ट मेगा जाब फेयर 2026 में हजारों युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रोजगार महाआयोजन में 75 से अधिक राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने सहभागिता करते हुए 1000+ से अधिक रोजगार अवसर उपलब्ध कराए। आईटी, इंजीनियरिंग, फार्मा, बैंकिंग, रियल एस्टेट, मार्केटिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया संपन्न की।

माज़ा के 50 साल पूरे होने पर स्पेशल कवर जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के स्वदेशी और अरबों डॉलर वाले फ्रूट ड्रिंक ब्रांड माज़ा ने बागों से करोड़ों उपभोक्ताओं तक भारतीय आमों का असली स्वाद पहुँचाने के 50 साल पूरे कर लिए हैं। नेशनल मैंगो डे (राष्ट्रीय आम दिवस) के अवसर पर कोका-कोला इंडिया और भारत सरकार के डाक विभाग ने माज़ा के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष लिफाफा जारी किया। इस कार्यक्रम में कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन आनंदना के प्रोजेक्ट उन्नति से जुड़े आम किसानों को भी सम्मानित किया गया।

विसंगति से परेशान महिला को मिला हाथों-हाथ मिला समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में राजस्व एवं अन्य प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विभिन्न राजस्व निरीक्षक वृत्तों में राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में बांक ग्राम में आयोजित एक राजस्व शिविर में एक महिला ने अपने पति के मृत्यु प्रमाण-पत्र नहीं बनने की समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी।

पड़ोसियों के विवाद में संघ कार्यकर्ता को मारे चाकू, किया थाने का घेराव

कमजोर धारा में दर्ज किया गया प्रकरण, विरोध में थाने पर प्रदर्शन कर पढ़ी हनुमान चालीसा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सदर बाजार थाना क्षेत्र में आरएसएस से जुड़े कार्यकर्ता पर हुए चाकू से हमले के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। पुलिस पर आरोप है कि उसने मामले में गंभीर धाराएं नहीं लगाईं और आरोपी की गिरफ्तारी में भी देरी की। इससे नाराज संघ कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में सदर बाजार थाने पहुंचे और पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता थाने के बाहर धरने पर बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ किया। उनका कहना था कि जानलेवा हमले के बावजूद पुलिस ने मामले को हल्के में लिया है। उन्होंने आरोपी पर हत्या के प्रयास जैसी गंभीर धाराएं लगाने और उसकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। जानकारी के अनुसार... घटना

12 जुलाई की रात गाडराखेड़ी इलाके में हुई थी। घायल धर्मेंद्र टिकलीया ने बताया कि रात के समय घर के बाहर शोर-शराबा सुनाई देने पर वे बाहर निकले। वहां पड़ोस में दो पक्षों के बीच विवाद हो रहा था। उन्होंने माहौल शांत कराने और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान ब्रह्मबाग कॉलोनी निवासी रजत मिश्रा भड़क गया और धर्मेंद्र से अभद्रता करते हुए कहा कि हमारे बीच बोलने वाले तुम कौन होते हो। इसके बाद उसने जेब से चाकू निकालकर धर्मेंद्र के पेट में वार कर दिया।

घायल होकर सड़क पर गिरे, आरोपी फरार-चाकू लगते ही धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायल धर्मेंद्र को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया, लेकिन संघ कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने मामले में अपेक्षित गंभीर धाराएं नहीं लगाईं और आरोपी अब तक गिरफ्त से बाहर है।

प्रमोशन अटका, परिवहन विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर अड़े

27 जुलाई से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी, प्रदेशभर के आरटीओ कार्यालयों का कामकाज हो सकता है प्रभावित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● परिवहन विभाग के लिपिक कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति को लेकर प्रदेशभर में विवाद गहरा गया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल निर्णय नहीं लिया गया तो 27 जुलाई से पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इससे आरटीओ कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

परिवहन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्याम यादव ने बताया कि विभाग में पात्र लिपिक कर्मचारियों की पदोन्नति लंबे समय से लंबित है। इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों के समक्ष मांग रखी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन पदोन्नति आदेश जारी नहीं किए जा रहे। संघ ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर सभी पात्र कर्मचारियों के प्रमोशन आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। साथ ही संघ अध्यक्ष श्याम यादव को उनके पूर्व पदस्थापन स्थल पर पुन: पदस्थ करने की मांग भी उठाई गई है। मांगों के संबंध में विभाग को एक दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। कर्मचारी संघ का कहना है कि यदि निर्धारित समय सीमा में मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो 27 जुलाई से प्रदेशभर के परिवहन विभाग के कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। ऐसी स्थिति में ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, परमिट, कर वसूली और अन्य आरटीओ सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संघ ने स्पष्ट किया है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा और हड़ताल की स्थिति में उत्पन्न होने वाली प्रशासनिक अव्यवस्था की जिम्मेदारी शासन और विभागीय प्रशासन की होगी।

मालवा मिल श्री गणेशोत्सव समिति, झांकी निर्माण स्थल का भव्य पूजन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मालवा मिल श्री गणेशोत्सव समिति के अंतर्गत इस वर्ष की गणेशोत्सव झांकी के निर्माण कार्य का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान और पूजन के साथ किया गया। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष योगेंद्र महन्त, समाजसेवी मदन परमालिया और पूर्व पार्षद रमेश उत्पाद के मुख्य आतिथ्य में यह पूजन संपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष कैलाश कुशवाह और कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस पावन अवसर पर मिल मैनेजमेंट से जे.एम. सिकरवार, विनोद जैन, और मधुरम स्वीट्स के गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूजन का कार्यक्रम पंडित सुरेन्द्र शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान गणेशोत्सव समिति के प्रधानमंत्री राजेन्द्र मरमट, संतोष वर्मा, समाज सेवी देवीलाल गुर्जर, विजय जाधव, राजेश गुर्जर, और संजयसिंह भदौरिया आदि ने भी झांकी स्थल पर पूजा-अर्चना में भाग लिया।

दूध व दुग्ध उत्पादों की विशेष जांच अभियान के तहत

5 डेयरी प्रतिष्ठानों, 1 मेस व 1 खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्यप्रदेश द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा डेयरी प्रतिष्ठानों, मेस एवं शिकायत प्राप्त खाद्य प्रतिष्ठान का सघन निरीक्षण कर व्यापक नमूना कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कुल 07 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 28 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से मौके पर ही 38 खाद्य पदार्थों की प्रारंभिक स्पॉट टेस्टिंग की गई।

रामजी डेरी, नवलखा

नवलखा स्थित रामजी डेरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री सुमित सिंघल उपस्थित पाए गए। प्रतिष्ठान से दूध के कुल 03 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की सहायता से दूध की मौके पर प्रारंभिक जांच भी की गई।

श्री गौरी गोपाला मावा एवं डेरी फार्म, नवलखा चौराहा

संयुक्त दल द्वारा श्री गौरी गोपाला मावा एवं डेरी फार्म का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से मावा के 02, दूध के 02 एवं पनीर का 01, कुल 05 नमूने जांच हेतु लिए गए। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग भी की गई।

जय माता दी डेरी, लिंबोदी

जय माता दी डेरी का निरीक्षण कर दूध, पनीर एवं मावा के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब द्वारा मौके पर प्रारंभिक परीक्षण किया गया।

श्रम कार्यालय में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत पंजीयन शिविर आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना संचालित की जा रही है। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र श्रमिक मासिक 55 रुपये से अंशदान जमा कर 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मासिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। श्रमिक द्वारा जमा किए जाने वाले अंशदान के बराबर राशि भारत सरकार द्वारा भी जमा की जाती है। बताया गया कि ऐसे श्रमिक, जो कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हैं।

शासकीय चरनोई भूमि से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अनुभाग बिचौली के ग्राम जामन्या खुर्द स्थित चरनोई मद में दर्ज शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

राजस्व विभाग की टीम ने सर्वे क्रमांक 198 की लगभग एक एकड़ शासकीय भूमि का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि उक्त भूमि पर अवैध रूप से पक्का मकान एवं पक्की सड़क का निर्माण किया जा रहा था। इसके बाद राजस्व अमले ने जेसीबी मशीन की सहायता से अतिक्रमण हटाते हुए निर्माणाधीन पक्के मकान, पक्की सड़क तथा खंभों की बाउंड्री को ध्वस्त कर शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। यह कार्रवाई अतिक्रमणकारी रामप्रसाद दुबे, निवासी ग्राम जामन्या खुर्द, के विरुद्ध की गई।

महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में एक सप्ताह के ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निर्देश पर जिले के एकमात्र शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कालेज में एक सप्ताह के ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। संस्था प्राचार्य श्रीमती विजया शिन्दे ने बताया कि विगत 20 से 24 जुलाई तक आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता लाना तथा नव प्रवेशित छात्राओं को विश्वविद्यालय एवं कालेज संबंधी संपूर्ण जानकारी से अवगत कराना है।

जीसीएल ब्रोकिंग ने मध्यप्रदेश में बढ़ाया विस्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश की अग्रणी फुल-सेवा स्टॉक ब्रोकिंग एवं वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी जीसीएल ब्रोकिंग ने मध्यप्रदेश में अपने विस्तार को नई गति देते हुए इंदौर में दो, भोपाल में एक तथा ग्वालियर में एक नई शाखा का शुभारंभ किया है। इन नई शाखाओं के साथ कंपनी अब प्रदेश के निवेशकों को आधुनिक, विश्वसनीय एवं व्यक्तिगत वित्तीय सेवाएँ और अधिक सुलभ रूप से उपलब्ध कराएगी। जीसीएल ब्रोकिंग पिछले दो दशकों से निवेशकों को शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, आईपीओ, बॉन्ड, कमोडिटी, करेंसी, इंश्योरेंस, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट तथा अन्य वित्तीय सेवाएँ प्रदान कर रही है। कंपनी का उद्देश्य निवेशकों को केवल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर निवेश निर्णय लेने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन भी प्रदान करना है।

हातोद नगर परिषद का एक और भ्रष्टाचार उजागर

जेसीबी से नाली सफ़ाई के नाम पर निकाले डेढ़ साल में 17 लाख

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

हातोद नगर परिषद के भ्रष्टाचार को लेकर धीरे-धीरे परते खुलती जा रही है। भाजपा नगर महामंत्री ने बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा करते हुए बताया कि हातोद नगर परिषद में रोड, शौचालय, नाली सफ़ाई को लेकर कही भ्रष्टाचार हुए हैं। उसी को लेकर दो दिनों से नगर परिषद के खिलाफ धरना आंदोलन कर रहे हैं। परिषद के खिलाफ सूचना के अधिकार में मांगी गई जानकारी में खुलासा हुआ कि नाली सफाई के नाम पर डेढ़ साल में 17 लाख रुपए की राशि निकाली गई है, जिसके प्रमाण मांगी गई जानकारी में

मौजूद है। इतना ही नहीं परिषद के खिलाफ एक के बाद एक कई बड़े खुलासे भ्रष्टाचार को लेकर होने वाले हैं।

भाजपा के नगर परिषद बनने के बाद नगर में अव्यवस्थाओं का अंबार लगा हुआ है। दूषित पानी, खड्डे वाली सड़के स्वच्छता के नाम पर केवल परिषद दिखावा कर रही है। नालियों को महीनो तक साफ नहीं किया जाता यह हाल हातोद नगर परिषद का है। धरना प्रदर्शन कर रहे नरोत्तम चौधरी ने बताया कि क्षेत्र की समस्या का समाधान जब तक नहीं होगा यह आंदोलन जारी रहेगा। इसकी सूचना हमने अधिकारियों को भेज दी है। इतना ही नहीं जनप्रतिनिधियों का एक धड़ा इस मामले की शिकायत लोकायुक्त में करने की तैयारी कर रहा है। लोकायुक्त में शिकायत हुई तो भ्रष्टाचार की बड़ी परतें खुलेगी और कहीं भ्रष्टाचारी जेल जाएंगे। यह भ्रष्टाचार अध्यक्ष प्रतिनिधि मोतीलाल राजोरिया की परिषद में हुआ है। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि अध्यक्ष प्रतिनिधि राजोरिया और नगर परिषद सीएमओ संजय जैन की पिछले तीन माह से पटरी नहीं बैठ रही है। सूत्रों से यह भी पता चला कमीशन बाजी को लेकर दोनों के बीच जमकर मतभेद चल रहे हैं। इसलिए अध्यक्ष प्रतिनिधि कई दिनों से परिसर नहीं पहुंचे वर्तमान स्थिति में नेता और अधिकारियों के बीच धरना प्रदर्शन ने एक नई मुसीबत में परिषद को डाल दिया है। एक तरफ भ्रष्टाचार एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ नेता और अधिकारियों में आपसी खींचतान बनी हुई है। कल के अगले अंक में एक और भ्रष्टाचार का खुलासा किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 25 जुलाई 2026

प्रदेश में आईएएस अफसरों के तबादले, 6 कलेक्टर बदले

भोपाल (एजेंसी) • सरकार ने शुक्रवार आधी रात 20 आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए। अशोक बर्णवाल को मुख्य सचिव बनाए जाने के 24 घंटे बाद हुई पहली बड़ी प्रशासनिक सर्जरी में 6 कलेक्टर बदले गए हैं। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा को प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया गया है। इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम पी. खाड़े को मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि भास्कर लक्षकार नए इंदौर संभागायुक्त होंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मण्डलोई को जनवरी 2027 में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट - 2027 की कमान सौंपी गई है। इसके साथ ही उन्हें उद्योग एवं एमएसएमई विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई है। यह विभाग अब तक प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह के पास था।

राघवेंद्र सिंह अब वन विभाग के प्रमुख सचिव

पिछले ढाई साल से औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग संभाल रहे राघवेंद्र सिंह को वन विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। उन्हें आनंद विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। प्रदेश के 55 जिलों में एक माह पहले तक 17 महिला कलेक्टर पदस्थ थीं। अब यह संख्या घटकर 15 रह गई है। खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल दो साल की स्टडी लीव पर चली गई हैं। वहीं मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग और आगर मालवा कलेक्टर प्रीति यादव से कलेक्टरी लेकर उन्हें भोपाल पदस्थ किया गया है। दूसरी ओर मिशा सिंह को शहडोल का कलेक्टर बनाया गया है, जिससे महिला कलेक्टरों की संख्या में एक पद की भरपाई हुई।

6 जिलों में नए कलेक्टर

शासन ने रतलाम में अजय कटेसरिया, शहडोल में मिशा सिंह, अनूपपुर में रत्नाकर झा, खरगोन में गुरु प्रसाद, मंदसौर में दिव्यांक सिंह और आगर मालवा में डॉ. शेर सिंह मीना को कलेक्टर बनाया है। इसी आदेश में शहडोल कलेक्टर केदार सिंह को अपर सचिव, लोक निर्माण विभाग भेजा गया है। मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग को ओएसडी सह आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग और आगर मालवा कलेक्टर प्रीति यादव को औद्योगिक विकास निगम, इंदौर का कार्यकारी संचालक बनाया गया है। खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल दो साल की स्टडी लीव पर चली गई हैं, इसलिए वहां गुरु प्रसाद को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया को रतलाम का कलेक्टर बनाया गया है। सरकार ने उनकी मेहनत का इनाम देते हुए पहली बार जिले की कमान सौंपी है। पहले दस साल तक बंद पड़ी पदोन्नति की प्रक्रिया के लिए उन्होंने पदोन्नति नियम-2025 तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। एमडी कृषि उपज मंडी कुमार पुरुषोत्तम को मंडी बोर्ड के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव बनाया गया है। संदीप यादव को जल संसाधन विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। अब केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध परियोजनाओं की जिम्मेदारी भी उनके पास रहेगी। डॉ. राजेश राजौरा को प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया गया था। उनके पास जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभाग की जिम्मेदारी भी थी।

सरकार ने अहम विभागों में भी बदलाव किया है। प्रशासन अकादमी के महानिदेशक पद से सचिन सिन्हा को हटाकर उन्हें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। वहीं नीरज मण्डलोई से ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी वापस लेकर यह विभाग प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मनीष सिंह को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपा गया है।

न्यूज ब्रीफ

चातुर्मास हम सबके लिए अपने पुण्यों का उदय करने का स्वर्णिम अवसर -प.पू. सुधासागर म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •साधु सबका होता है। साधु किसी को नहीं चाहता पर साधु को सब चाहते हैं। साधु धर्म और मरण के कामों में बिना बुलाए ही जाना चाहिए, इसमें कभी कोई विकल्प मन में नहीं लाना चाहिए। इंदौर का चातुर्मास हम सबके लिए ऐसा स्वर्णिम अवसर है जब हम अपने पुण्यों का उदय करेंगे। साधु का आगमन पूरे शहर के लिए एक सौगात के रूप में होता है। चातुर्मास जैसा अवसर हम सबके लिए अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने का दुर्लभ मौका है। ये प्रेरक आशीर्वचन हैं राष्ट्र संत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के, जो उन्होंने सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में सम्पूर्ण जैन समाज की एयरपोर्ट रोड स्थित सुमति धाम, गोधा इस्टेट पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

जो जन्म-जन्म की वासना का विनाश करे वही विद्या - किरीट भाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • गलियों और चौराहों की सफाई से ज्यादा मन की पवित्रता महत्वपूर्ण होती है। शरीर कभी पवित्र नहीं हो सकता। पवित्रता की पात्रता केवल मन को है। परमात्मा शरीर नहीं मन देखते हैं। उन्हें केवल हमारा पवित्र मन और आंसू चाहिए। शिक्षा का अर्थ केवल एजुकेशन नहीं है। जो जन्म-जन्म की वासना का विनाश करे वही विद्या है। बच्चों को संस्कार देना है तो माता-पिता को भी अपने व्यसन त्यागना होंगे। बच्चों का मन कोरा कागज होता है। आज के बच्चों को खिलौने नहीं, समय देने की जरूरत है। मौत छींक की तरह आती है और रुमाल जेब में ही रह जाता है। हीरे जैसा शरीर मिला है तो उसे किसी कबाड़खाने में मत बेच देना। भगवान ने हमें हाथ, पैर, मस्तिष्क, विवेक और शिक्षा जैसी संपदा दी है इसलिए अपने आप को कभी गरीब मत कहना। यदि हमने अपने जीवन को भक्ति से जोड़ लिया तो विश्वास करें कि कोई भी दुखी और दरिद्री नहीं हो सकता। ये दिव्य विचार हैं प्रख्यात संत, ब्रह्मऋषि किरीट भाईजी के, जो उन्होंने शुक्रवार को तुलसी परिवार इंदौर के तत्वावधान में साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में गुरू पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित सत्संग, मनोरथ आरती, संकीर्तन, गुरू दीक्षा, प्रश्नोत्तरी, ठाकुरजी के स्नान एवं आरती सहित विभिन्न कार्यक्रमों में व्यक्त किए।

इस्कॉन मन्दिर पर कल बच्चों के लिए मिनी रथ यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • निपान्या स्थित इस्कॉन मंदिर की स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने एवं बच्चों तथा युवाओं को धर्म, संस्कृति एवं हरेराम हरेकृष्ण के मूल मंत्र से जोड़ने के उद्देश्य से पहली बार रविवार 26 जुलाई को गुरुकुल के विद्यार्थियों एवं मंदिर से जुड़े भक्तों की ओर से सक्सेना परिवार के सहयोग से निर्मित छोटे रथ की जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन अपराह्न 4 बजे मन्दिर परिसर में किया जाएगा। इस्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास ने बताया कि यह रथ यात्रा मंदिर से प्रारम्भ होकर निपानिया गाँव एवं आसपास की कॉलोनियों में भ्रमण कर पुन: मंदिर आएगी। रथ की साज-सज्जा, पूजा एवं रथ को खींचने का काम बच्चों द्वारा ही किया जाएगा। रथ यात्रा समिति के संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल , अशोक गोयल एवं सह संयोजक भावेश दवे ने बताया कि स्वामी महामनदास के मार्गदर्शन में 16 से 27 जुलाई तक 50 से अधिक नगरों में भगवान की रथ यात्रा निकाली जा रही है। स्वामी महामनदास इस्कॉन इंडिया के उत्तर भारत के जोनल सेक्रेटरी एवं इस्कॉन इंडिया के वोइस प्रेसिडेंट भी हैं। रथ यात्रा व्यवस्था समिति के श्रीनिकेतन दास, अद्विधरण दास, डॉ लक्ष्मण दास एवं गुरुजुल के प्राचार्य अच्युत गोपाल दास ने सभी भक्तों से इस बाल यात्रा में अपने-अपने परिवारजनों और बच्चों सहित शामिल होकर पुण्य लाभ उठाने का आग्रह किया है।

विवाह योग्य जीवनसाथी मिलना क्यों हुआ कठिन विचार गोष्ठी में निकले समाधान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अखिल भारतीय श्वेताम्बर जैन महिला संघ केंद्रीय इकाई द्वारा दादावाड़ी, रामबाग में 'वर्तमान समय में विवाह योग्य उम्मीदवारों की कमी' विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता वीरेंद्र कुमार जैन ने कहा कि उच्च शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता मिलने से विवाह की आयु बढ़ रही है तथा जीवनसाथी को लेकर अपेक्षाएँ भी पहले से अधिक हो गई हैं। श्रीमती रेखा जैन ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता सकारात्मक बदलाव है, लेकिन इससे समानता और अनुकूलता की अपेक्षाएँ भी बढ़ी हैं। स्नेह कटारिया ने अलग-अलग शहरों और देशों में रहने से संपर्क कम होने को चुनौती बताया। विजया जैन एवं पूजा जैन ने प्रारंभिक संवाद में स्पष्टता के अभाव को अच्छे रिश्तों के टूटने का प्रमुख कारण बताया।

रेखा नानावटी एवं सुधा जैन ने विश्वसनीय मैट्रिमोनियल प्लेटफ़ॉर्म एवं महिला संघ के ऑनलाइन मैट्रिमोनियल मीट में अधिक सहभागिता का आह्वान किया। कार्यक्रम में इंदौर के क्षेत्रीय महिला संघों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। अंत में संगीता पोखरना ने आभार व्यक्त किया।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर टीन शेड-गुमटियां हटाईं

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • नगर निगम ने शुक्रवार को शहर में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीम ने ईदगाह (एबी रोड) क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान सरकारी जमीन और सड़क पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। जेसीबी की मदद से एक दर्जन से अधिक टीन शेड और एक अवैध निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास किया। हालांकि, नगर निगम और पुलिस की मौजूदगी में अभियान बिना रुके जारी रहा। जेसीबी से पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इसके बाद निगम की टीम जिला अस्पताल के सामने पहुंची। यहां सड़क किनारे वर्षों से रखी लगभग 20 से 25 गुमटियां और अस्थायी दुकानें हटाई गईं। जेसीबी की मदद से सभी गुमटियों को हटाकर सड़क खाली कराई गई। यहां भी हल्का विरोध हुआ, लेकिन पुलिस ने स्थिति संभाल ली और कार्रवाई पूरी कराई।

यह संयुक्त अभियान करीब ढाई घंटे तक चला। इसमें नगर निगम, पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात और आम लोगों की सुविधा में बाधा बनने वाले अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह कार्रवाई की जाएगी।

खाटू श्यामजी पैनल की मेजबानी में महिलाओं ने किया दादी का मंगल पाठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के द्विवार्षिक चुनाव के पूर्व 'जय अग्रसेन खाटू श्यामजी पैनल' के तत्वावधान में शुक्रवार को राजीव गाँधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर राणी सती दादी के मंगल पाठ का भव्य आयोजन सौल्लास सम्पन्न हुआ जिसमें ढाई हजार से अधिक मातृशक्ति ने पूरे जोश एवं उत्साह के साथ परम्परागत परिधान में शामिल होकर समाज में शांति, एकता एवं सदभाव के लिए प्रार्थना की।

पैनल के संयोजक गणेश गोयल, गोविन्द सिंघल, अरविन्द बागड़ी, संतोष गोयल, संजय बांकडा एवं समाज के अन्य वरिष्ठजनों की मौजूदगी में इस अवसर पर प्रख्यात मंगल पाठ वाचिका ममता गर्ग ने दादीजी के मंगल पाठ का भक्ति भाव से भरपूर वातावरण में पाठ किया और दादीजी से सभी समाज बंधुओं पर अपना स्नेह, कृपा एवं करुणा की वर्षा करने की प्रार्थना की। मंगल पाठ में श्रीमती पुष्पा गुप्ता, मीना अग्रवाल एवं श्रीमती अनिता ऐरन सहित ढाई हजार से अधिक महिलाओं ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई और सभी प्रत्याशियों को जिताने का संकल्प व्यक्त किया।

राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ ने सीएम मोहन यादव को जताया आभार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्रमंण संस्कृति के महा संत परम पूज्य मुनिपुंगव सुधासागर जी को राजकीय अतिथि घोषित करना ऐतिहासिक निर्णय: संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव जी को पत्र लिखकर निर्यापक मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज को राजकीय अतिथि घोषित करने के निर्णय पर हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया है।

संघ के अध्यक्ष राकेश जैन गोहिल द्वारा दिनांक *23 जुलाई 2026* को जारी पत्र क्रमांक संग./2026/136 में कहा गया कि शासन का यह निर्णय केवल एक महान तपस्वी संत के प्रति श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, अहिंसा, संयम, नैतिकता एवं सनातन जीवन मूल्यों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का भी सशक्त प्रमाण है।

भगवान के शब्दकोश में सुख या दु:ख नाम का कोई शब्द है ही नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •भगवान के शब्दकोष में सुख या दुख नाम का कोई शब्द है ही नहीं। सुख और दुख हमारे कर्मो का फल है। हम जैसे कर्म करेंगे, फल भी वैसे ही मिलेंगे। गंगा और अन्य नदियां तभी तक पूजनीय है, जब तक वे अपने किनारों की मर्यादा में बहती है। किनारे छोड़ने पर कोई भी उन्हें नहीं पूजता क्योंकि तब वही जीवनरेखा विनाश की बाढ़ लेकर आती है। मनुष्य के जीवन का भी यही सिद्धांत है। भगवान के अवतार सज्जनों के कल्याण और दुर्जनों के विनाश के लिए ही होते हैं। । ये प्रेरक विचार हैं वृन्दावन के प्रख्यात भागवताचार्य गोपाल कृष्ण शास्त्री के, जो उन्होंने गीता भवन में चौखानी परिवार की मेजबानी में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर समाजसेवी अरुण-वीणा चौखानी, गोपाल चौखानी, रूचि चौखानी, चंद्रकांत गौरव, दौलतराम चौखानी, ओमप्रकाश पसारी, गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी सहित अनेक गणमान्य बंधुओं ने व्यास पीठ का पूजन किया।

सुप्रीम कोर्ट में पेश नहीं हुए विजय शाह चार सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश करने का दिया था आदेश

भोपाल (एजेंसी) • कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को लेकर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 मई को सरकार से कहा था कि 19 जनवरी के आदेश का पालन कर चार सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट पेश करे। लेकिन 23 जुलाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट की ऑफिस रिपोर्ट में साफ लिखा है कि 8 मई के आदेश के अनुपालन में अब तक कोई दस्तावेज दाखिल नहीं हुआ है। मामला शुक्रवार 24 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ था। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की देरी पर बेहद सख्त रुख अपनाया था। कोर्ट ने कहते हुए सरकार को पुराने आदेश का पालन करने को कहा था। इससे पहले एसआईटी विजय शाह के खिलाफ जांच पूरी कर चुकी है और आगे अभियोजन के लिए सरकार की मंजूरी का मुद्दा लंबित है। 8 मई को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने मामला आया था। राज्य सरकार द्वारा अभियोजन स्वीकृति पर फैसला नहीं लिए जाने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। कोर्ट ने सरकार से कहा कि 19 जनवरी के आदेश के पैरा 5 और 6 का पालन किया जाए। इसके लिए चार सप्ताह का समय दिया गया।

यही निर्देश सुप्रीम कोर्ट की मौजूदा ऑफिस रिपोर्ट में भी दर्ज है। इसके मुताबिक 8 मई को कोर्ट ने आदेश दिया था कि राज्य सरकार चार सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट पेश करे और मामले को 24 जुलाई को फिर सूचीबद्ध किया जाए। 8 मई की सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने विजय शाह के प्रति नरम रुख अपनाने का आग्रह किया था। उन्होंने कोर्ट में कहा था कि संभवत: विजय शाह कर्नल सोफिया कुरैशी की प्रशंसा करना चाहते थे, लेकिन अपनी बात ठीक तरह से व्यक्त नहीं कर पाए और कुछ और बोल गए। मेहता ने शाह के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए यह भी कहा था कि उन्होंने विवाद के बाद माफी मांगी थी। हालांकि कोर्ट इस तर्क से संतुष्ट नहीं हुआ।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

अमेरिका के नए टैरिफ का असर: क्या भारत के दवा निर्यात के सामने खड़ा हो गया बड़ा संकट?

भारत की बात की जाए, तो उसे 'दुनिया का दवाखाना' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अनेक देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। अमेरिका ने भारत समेत विभिन्न देशों पर शुल्क नीति के जरिए दबाव बनाने की कोशिशें फिर तेज कर दी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया है कि अमेरिका आयातित जेनेरिक दवाओं पर अगस्त, 2028 से शुल्क लगाएगा, जो पहले वर्ष 100 फीसद और उसके बाद 200 फीसद हो जाएगा। यही नहीं, बीते गुरुवार को ट्रंप ने भारत सहित 16 अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर 10 फीसद अतिरिक्त शुल्क की भी घोषणा की है। हालांकि, अमेरिका की ओर से इस पर कई तरह के तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन इन कदमों को पूर्व में अदालत से खारिज हुए भारी-भरकम शुल्क लगाने के फैसले को नए रूप में लागू करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के इस निर्णय का निश्चित रूप से भारत के दवा निर्यात पर असर पड़ेगा, क्योंकि वह अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि भारत आने वाले दिनों में इस चुनौती से कैसे निपटेगा? गौरतलब है कि अमेरिका की ओर से पिछले साल भारत पर 50 फीसद शुल्क लगाए जाने से देश के निर्यात कारोबार पर काफी असर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले को रद्द कर दिया था। अब अमेरिका ने जेनेरिक दवाओं के आयात पर भारी-भरकम शुल्क लगाने का फैसला किया है। जानकारों का मानना है कि ट्रंप इस रणनीतिक रूप से अपनी शुल्क नीति को जिंदा रखना चाहते हैं। भारत की बात की जाए, तो उसे 'दुनिया का दवाखाना' भी कहा जाता है, क्योंकि वह अनेक देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। यह उसके कुल वैश्विक औषधि निर्यात 25.8 अरब डॉलर का करीब 38 फीसद है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अमेरिका के इस कदम का भारत के निर्यात पर कितना असर पड़ सकता है। ऐसे में भारत को वैकल्पिक उपाय के तौर पर निर्यात में अमेरिका पर निर्भरता कम करनी होगी। साथ ही यूरोप, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशियाई देशों में दवा निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

लोकतंत्र की भाषा लाठी और पत्थर नहीं, संवाद है

लोकतंत्र केवल शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि विचारों के आदान-प्रदान, असहमति के सम्मान और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने की सतत प्रक्रिया है। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की परिपक्वता का आकलन केवल निष्पक्ष चुनावों से नहीं होता, बल्कि इस बात से होता है कि वह मतभेदों और जन-असंतोष का समाधान किस प्रकार करता है। यदि असहमति का उत्तर चक्काजाम, पथराव और हिंसा से मिले तथा विरोध का प्रत्युत्तर अश्रु गैस, वाटर कैनन और लाठीचार्ज से दिया जाए, तो यह लोकतांत्रिक संस्कृति के सुदृढ़ होने का नहीं, बल्कि संवाद की परंपरा के कमजोर पड़ने का संकेत है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति बल प्रयोग में नहीं, बल्कि विश्वास और संवाद में निहित होती है।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होकर अपनी बात रखने का मौलिक अधिकार देता है। यही अधिकार लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखते हैं। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। जब आंदोलन हिंसक हो जाते हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचता है, आम जनजीवन बाधित होता है या पुलिस तथा प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तब लोकतांत्रिक आंदोलन अपनी नैतिक ऊँचाई खोने लगते हैं। दूसरी ओर, यदि शासन-प्रशासन प्रत्येक विरोध को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर दमनात्मक दृष्टिकोण अपनाए, तो जनता और सरकार के बीच विश्वास का संकट गहराने लगता है। लोकतंत्र में दोनों ही स्थितियाँ समान रूप से चिंताजनक हैं।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न भागों में अनेक ऐसे घटनाक्रम सामने आए हैं, जहाँ संवाद के स्थान पर टकराव ने परिस्थितियों को और जटिल बना दिया। हिंसक झड़पें, आगजनी, पथराव और सार्वजनिक संपत्ति का विनाश केवल आर्थिक क्षति ही नहीं पहुँचाते, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और सामाजिक विश्वास को भी कमजोर करते हैं। यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है कि क्या हम मतभेदों को संवाद के बजाय संघर्ष के माध्यम से व्यक्त करने लगे हैं? साथ ही यह संभावना भी नज़र अंदाज़ नहीं की जा सकती कि कुछ असामाजिक अथवा राष्ट्रविरोधी तत्व सामाजिक तनाव और जन-असंतोष का लाभ उठाकर समाज में विभाजन और अस्थिरता पैदा करने का प्रयास करते हों।

भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रेरणा देता है। महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और अहिंसा के माध्यम से यह सिद्ध किया कि नैतिक शक्ति किसी भी हिंसक शक्ति से अधिक प्रभावशाली होती है। वहीं, डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक परिवर्तन का मार्ग संविधान, विधि और लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से प्रशस्त किया। दोनों महापुरुषों की विरासत हमें यही सिखाती है कि स्थायी परिवर्तन हिंसा से नहीं, बल्कि संवाद, तर्क और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि किसी भी हिंसक स्थिति के लिए प्रायः केवल एक पक्ष उत्तरदायी नहीं होता। कई बार प्रशासनिक संवेदनशीलता का अभाव, संवाद में विलंब अथवा समय रहते समाधान का प्रयास न होना जन-असंतोष को बढ़ा देता है। दूसरी ओर, अनेक अवसरों पर उपद्रवी तत्व शांतिपूर्ण आंदोलनों में घुसकर उन्हें हिंसक दिशा दे देते हैं। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, भ्रामक प्रचार तथा सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें भी परिस्थितियों को और अधिक विस्फोटक बना सकती हैं। इसलिए किसी भी घटना का मूल्यांकन पूर्वाग्रह से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक सभी पक्षों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

एक स्वस्थ लोकतंत्र में पुलिस और नागरिक विरोधी नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और सामाजिक शांति के साझेदार होते हैं। पुलिस की भूमिका केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है; उसे संवेदनशीलता और जन-विश्वास का भी परिचय देना चाहिए। इसी प्रकार नागरिकों का दायित्व केवल अधिकारों की माँग करना नहीं, बल्कि विधि के शासन का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से अपनी बात रखना भी है।

राजनीतिक दलों और मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक राजनीति का उद्देश्य जनभावनाओं को भड़काना नहीं, बल्कि उन्हें रचनात्मक दिशा देना होना चाहिए। सभी दलों को हिंसा की स्पष्ट और समान रूप से निंदा करनी चाहिए, चाहे वह किसी भी पक्ष से हुई हो। मीडिया और सोशल मीडिया मंचों पर भी तथ्यपरक, संतुलित और उत्तरदायी प्रस्तुति लोकतंत्र की आवश्यकता है। अपुष्ट सूचनाएँ, भ्रामक वीडियो और उत्तेजक टिप्पणियाँ सामाजिक तनाव को कई गुना बढ़ा सकती हैं।

असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है-बशर्ते उसे संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर अभिव्यक्त किया जाए। यदि समाज और विशेषकर युवा पीढ़ी यह समझ ले कि विचारों का उत्तर विचारों से, तर्क का उत्तर तर्क से और असहमति का समाधान संवाद से ही संभव है, तो भारत विश्व के सबसे परिपक्व लोकतंत्रों में अपना स्थान और अधिक सुदृढ़ कर सकता है।

आज भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक, तकनीकी और सामरिक दृष्टि से निरंतर सशक्त हो रहा है। ऐसे समय में देश के भीतर सामाजिक स्थिरता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का महत्व और बढ़ जाता है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संवाद की परंपरा है। यदि हम अपने आंतरिक मतभेदों का समाधान संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप करेंगे, तो यही हमारी सबसे बड़ी वैश्विक पहचान बनेगी।

अंततः लोकतंत्र में विजय किसी सरकार, विपक्ष या किसी आंदोलन की नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की होनी चाहिए। ऐसा वातावरण निर्मित करना समय की आवश्यकता है जहाँ विरोध हो, पर वैमनस्य न हो; असहमति हो, पर हिंसा न हो; प्रशासन दृढ़ हो, पर संवेदनहीन न हो; और आंदोलन प्रभावी हों, पर शांतिपूर्ण एवं अनुशासित रहें। लोकतंत्र का सामर्थ्य न लाठी में है, न पत्थर में। उसकी वास्तविक शक्ति संवाद, संवैधानिक मर्यादा, पारस्परिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व में निहित है। यदि भारत को विकसित, समरस और विश्व के लिए आदर्श लोकतंत्र बनाना है, तो हर भारतीय को यह स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र की भाषा लाठी और पत्थर नहीं, केवल संवाद है।

लेखक : प्रो. (डॉ.) मनमोहन प्रकाश

कर चुकाना केवल कर्तव्य नहीं, विकसित भारत में हिस्सेदारी है

राष्ट्र की शक्ति केवल मतगणना से नहीं, करगणना से भी मापी जाती है। मतप्रद नागरिक की राजनीतिक चेतना का प्रतीक है, तो आयकर रिटर्न उसकी आर्थिक निष्ठा का। विडंबना यह है कि मतदान पर व्यापक विमर्श होता है, पर कर-अनुशासन पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखती। जबकि किसी भी आधुनिक राष्ट्र की स्थिरता का वास्तविक आधार उसकी कर-संस्कृति होती है। 24 जुलाई का आयकर दिवस इसी मौन सत्य का स्मरण कराता है कि राष्ट्र का भविष्य केवल बजट नहीं, बल्कि करोड़ों ईमानदार करदाताओं के निष्ठापूर्ण योगदान से आकार लेता है। विकसित भारत का आधार केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि उत्तरदायी कर-संस्कृति है। इसलिए आयकर दिवस किसी विभागीय औपचारिकता का नहीं, आर्थिक नागरिकता के सम्मान का अवसर है। इतिहास गवाह है कि समृद्ध राष्ट्रों की नींव केवल संसाधनों पर नहीं, सुदृढ़ कर-संस्कृति पर टिकी होती है। भारत में आधुनिक आयकर व्यवस्था का औपचारिक आरंभ 24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन द्वारा प्रस्तुत आयकर अधिनियम से हुआ, किंतु स्वतंत्र भारत ने इसे केवल राजस्व-संग्रह नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय विकास का माध्यम बनाया। 1961 के आयकर अधिनियम के बाद सरलीकरण की दिशा में नया आयकर कानून भी प्रस्तावित/लागू होने की प्रक्रिया में है, प्रत्येक कर प्रशासन में सुधार, कंप्यूटरीकरण, केंद्रीकृत प्रसंस्करण और डिजिटल कर प्रणाली उसी दृष्टि के क्रमिक विस्तार हैं। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है और वैश्विक संस्थाएँ उसे आने वाले दशक का विकास-प्रेरक मान रही हैं। इस उपलब्धि के मूल में करोड़ों ईमानदार करदाताओं से निर्मित वह राजस्व है, जिसने विकास की गति को निरंतर बनाए रखा। हर सार्वजनिक उपलब्धि के पीछे एक मौन निवेश छिपा होता है—करदाता का। राष्ट्रीय राजमार्गों, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं, नई शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित संस्थानों, रक्षा आधुनिकीकरण, डिजिटल अवसंरचना, अंतरिक्ष अनुसंधान, जल संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वास्तविक नींव ईमानदारी से अदा किए गए कर पर टिकी है। नागरिक अपनी आय का एक अंश राष्ट्र को देकर केवल राजस्व नहीं देता, बल्कि समान अवसरों वाले भारत के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करता है। इसलिए विकसित देशों में कर भुगतान सम्मान का प्रतीक माना जाता है। भारत भी अब उसी दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ करदाता राजस्व का स्रोत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति का सह-शिल्पी माना जाता है। कर प्रशासन का नया चेहरा कानूनों से कम, तकनीक से अधिक गढ़ा गया है। कभी आयकर कार्यालयों के चक्कर, कागजी फाइलें और लंबी प्रतीक्षाएँ करदाताओं की विवशता थीं; आज फेसलेस असेसमेंट, प्री-फिल्ड आयकर रिटर्न, ऑनलाइन सत्यापन, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण ने प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और विश्वसनीय बना दिया है।

कृति आरके जैन, शिक्षाविद्,बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक ने दिया जागरूकता का संदेश

खेलकूद प्रतियोगिता का भी हुआ आयोजन

अजय नलवाया (7879800048)

धार • दैनिक इंदौर संकेत

मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में संचालित 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत आज एकलव्य आदर्श शासकीय आवासीय विद्यालय, कुक्षी में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने एवं स्वस्थ, अनुशासित जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (भा.पु.से.) रहे। इस अवसर पर एसडीएम कुक्षी विशाल धाकड़ (आईएएस), एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता, थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान, खेल विभाग के अधिकारी, विद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के अंतर्गत बालिका वर्ग में खो-खो तथा बालक वर्ग में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों ने उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने विद्यार्थियों से नशे के दुष्प्रभावों से दूर रहने, खेल एवं शिक्षा को जीवन का आधार बनाने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल, शिक्षा एवं अनुशासित जीवन के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। यह आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

20 करोड़ की सीवरेज लाइन पर सवाल, रहवासियों ने घटिया निर्माण का लगाया आरोप

खरगोन • दैनिक इंदौर संकेत

जैतापुर क्षेत्र में 20 करोड़ रुपये की लागत से डाली जा रही सीवरेज लाइन के निर्माण में अनियमितता का मामला सामने आया है। आदर्श नगर में बिना उचित बेस के काम किए जाने पर स्थानीय रहवासियों ने आपत्ति जताई है। मामले में कंस्ट्रक्शन कंपनी, इंजीनियर और नगर पालिका की ओर से निगरानी में लापरवाही के आरोप भी लगे हैं।

स्थानीय रहवासी निर्मल बडोले सहित अन्य लोगों का आरोप है कि लाइन की खुदाई के बाद केवल मिट्टी भरकर बेस तैयार किया जा रहा है। इसमें न कंक्रीट का उपयोग किया गया और न ही मुरम डाली गई। उनका कहना है कि इससे वाहनों के दबाव में सीवरेज लाइन फट सकती है। इससे गंदगी फैलने और बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। रहवासियों ने निर्माण की गुणवत्ता सुधारने की मांग की है। प्रभारी सीएमओ प्रकाश चित्ते ने बताया कि संबंधित एजेंसी को उचित बेस तैयार कर नियमानुसार काम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इंजीनियरों की ओर से निर्माण कार्य की लगातार निगरानी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, जैतापुर क्षेत्र में सीवरेज लाइन का निर्माण कार्य दो महीने पहले ब्रज कंस्ट्रक्शन, अहमदाबाद ने शुरू किया था। इस परियोजना के तहत वार्ड क्रमांक 6, 7 और 8 के करीब 4200 मकानों को सीवरेज लाइन से जोड़ा जाना है।

कार साइड लगाने पर विवाद, फॉर्च्यूनर जब्त

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

मन्नत कार्यक्रम से लौटकर बैतूल जा रहे एक परिवार पर हमला हो गया। खंडवा के घाटाखेड़ी गांव में रोड पर खड़ी कार साइड में लगाने पर कुछ रईसजादे बिफर गए और उन्होंने विवाद के बाद परिवार के साथ मारपीट कर दी। इंदौर और खरगोन के रहने वाले रईसजादे भाजपा नेता के रिश्तेदार हैं, जो कि उनके घर आए हुए थे। पुलिस के मुताबिक, चार लोग सामने आए हैं, जो शराब के नशे चूर थे। केस दर्ज कर फॉर्च्यूनर कार जब्त कर ली हैं। पुलिस के अनुसार बैतूल के मुलताई निवासी मोनिका पति केंद्र कुमार भावसार अपने परिवार के साथ शिवाबाबा धाम पर मन्नत कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार से वापस लौट रहे थे, तभी पंधाना क्षेत्र के घाटाखेड़ी गांव में एक कार में सवार चार युवकों ने उनकी गाड़ी के सामने कार अड़ा दी। कार रास्ते से हटाने का कहा तो विवाद शुरू कर दिया। आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की, फिर परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों के सामने भी विवाद जारी रहा। आगे जाकर गांव के बाहर भी गाड़ी रोकी तो पत्थर मारने लगे, जिसकी सूचना डायल 112 पर पुलिस को दी।

शहर की फिज़ा बिगाड़ रहे अवैध स्पा सेंटर

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत, फर्जी निराकरण

धार • दैनिक इंदौर संकेत

अपनी प्राचीन एवं वैश्विक धरोहर के लिए प्रसिद्ध धार शहर इन दिनों पाश्चात्य संस्कृति के लिए भी प्रसिद्ध होते जा रहा है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण धार शहर में संचालित होने वाले स्पा (मसाज) पार्लर है।

पुलिस के सामने अवैध गतिविधि

वही अगर बात करे तो धार शहर में जिला पुलिस लाइन के समीप ही स्पा सेंटर संचालित किया जा रहा है जहां के रहवासियों द्वारा भी उक्त कथित स्पा सेंटर का विरोध पूर्व में भी किया जा चुका है बावजूद भी ये स्पा सेंटर बिना किसी वैध अनुमति के संचालित हो रहा है लेकिन नगर पालिका प्रशासन अपनी आंखें बंद कर इन अवैध स्पा सेंटर को संचालित होने में मदद कर रही है।

युवा पत्रकार ने दर्ज की सीएम हेल्पलाइन

शहर के युवा पत्रकार मनीष जैन द्वारा शहर में संचालित हो रहे दोनों अवैध स्पा सेंटर के खिलाफ 22/06/26 को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई है जिसमें शिकायत करता जैन द्वारा संबंधित स्पा सेंटर के संचालकों एवं मसाज कर रहे युवक / युवतियों के सक्षम दस्तावेज सत्यापन की मांग की गई है लेकिन फिर भी नगर पालिका प्रशासन अपनी आंखें बंद कर बैठी है! अब देखने वाली बात होगी क्या खबर प्रकाशन के बाद नगर पालिका प्रशासन जागेगा या अपनी कुंभकर्णीय नींद में रहेगा!

मुख्यमंत्री यादव ने सिंगल क्लिक से 35 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में अंतरित की 210.45 करोड़ रुपए की पेंशन राशि

धार • दैनिक इंदौर संकेत

मध्य प्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत आज जिला पन्ना से राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से माह जून 2026 (भुगतान जुलाई 2026) की पेंशन राशि का सीधा अंतरण हितग्राहियों के खातों में किया। इस योजना के अंतर्गत प्रदेशभर के लगभग 35 लाख से अधिक निर्धन, निराश्रित, वृद्धजन, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहित एवं दिव्यांगजन हितग्राहियों को कुल 210.45 करोड़ रुपये की राशि का लाभ मिला, जिसमें प्रत्येक पात्र हितग्राही को प्रतिमाह 600 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस पूरे कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वेब-कास्ट के माध्यम से किया गया।

इसी कड़ी में धार जिले में भी कलेक्टर राजीव रंजन के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां निकायों से आए हितग्राहियों को अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं प्रभारी उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए तथा उपस्थित जनों को नशामुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई गई।

'ओमकार पर्वत' से छेड़छाड़ का आरोप, कांग्रेस ने दुकानदारों की समस्याओं पर दी आंदोलन की चेतावनी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

ओंकारेश्वर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपालसिंह पुरनी ने सरकार और प्रशासन पर विकास कार्यों के नाम पर 'ओमकार पर्वत' के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने परिक्रमा मार्ग, छह मंजिला रैंप, छोटे दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को उठाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। पुरनी ने कहा कि वर्षों पुराना परिक्रमा मार्ग आज भी कई स्थानों पर टूटा और जर्जर पड़ा है। इससे स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को परिक्रमा करने में असुविधा हो रही है। उन्होंने परिक्रमा मार्ग के शीघ्र सुधार की मांग की। उत्तमपाल सिंह पुरनी ने 'छह मंजिला रैंप' के निर्माण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कोटितीर्थ घाट से ओंकारेश्वर मंदिर परिसर तक बने इस रैंप में आपात स्थिति या भगदड़ से निपटने के लिए पर्याप्त इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने सावन जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश और केंद्र में भाजपा की सरकार होने के बावजूद जनहित के कार्य समय पर पूरे नहीं हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन 'छोटे दुकानदारों और मकान मालिकों' को 24 घंटे का नोटिस देकर कार्रवाई कर रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। स्थानीय नागरिकों और 'मंदिर के पंडितों' के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें भी सामने आई हैं।

आज सीरीज जीतने उतरेगा भारत, हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेला जाएगा दूसरा टी-20 मैच

हरारे (एजेंसी) ● भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी, जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में सात विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी। भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्द्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले, भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया।

मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर दो विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' का पुरस्कार मिला। इक्षप्रस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया। इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई। मेज़बान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेड्क्षसग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे, ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाज़ों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

इंडियन आइडल सीज़न 16, 26 जुलाई को अगले इंडियन आइडल को ताज पहनाने के लिए तैयार है

मुंबई (एजेंसी) ● कई महीनों की अविस्मरणीय प्रस्तुतियों, संजोई गई यादों और प्रेरणादायक संगीत यात्राओं के बाद, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का इंडियन आइडल सीज़न 16 अपने बहुप्रतीक्षित ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ रहा है, जो रविवार, 26 जुलाई 2026 को होगा। इस सीज़न की थीम 'यादों की प्लेलिस्ट' का जश्न मनाते हुए फिनाले एक शानदार शाम का वादा करता है, जिसमें संगीत, नॉस्टैल्जिया और सेलिब्रेशन होगा। अंशिका चोंकर, ज्योतिर्मयी नायक, मनराज वीर सिंह, मैस्कम बोसु, सुहैल सूफी और तनिष्क शुक्ला शीर्ष छह फाइनलिस्ट के रूप में उभरे हैं, और हर कोई प्रतिष्ठित इंडियन आइडल सीज़न 16 ट्रॉफी उठाने की उम्मीद कर रहा है। पूरे सीज़न में प्रतिभागियों ने दर्शकों को एक यादगार संगीत यात्रा पर ले जाया, कालजयी धुनों को श्रद्धांजलि देते हुए अपनी अविस्मरणीय प्रस्तुतियाँ दीं। जज विशाल ददलानी, श्रेय्या घोषाल और बादशाह के मार्गदर्शन में तथा आदित्य नारायण द्वारा होस्ट किए गए इस सीज़न ने असाधारण प्रतिभा, जुनून और दृढ़ता का उत्सव मनाया, जिससे हर प्रस्तुति देशभर के दर्शकों के लिए एक संजोई हुई याद बन गई। फिनाले की भव्यता को और बढ़ाते हुए, जज श्रेय्या घोषाल और बादशाह के साथ विशेष मेहमानों की शानदार लाइनअप होगी, जिसमें उषा उथुप, उदित नारायण, पापोन, कुमार सानू, शहनाज़ गिल और उर्मिला मातोंडकर शामिल होंगे, जिससे यह संगीत, मनोरंजन और अविस्मरणीय प्रस्तुतियों का सचमुच सितारों से सजा उत्सव बन जाएगा। जैसे ही ग्रैंड फिनाले की उलटी गिनती शुरू होती है, जजों ने इस सीज़न के फाइनलिस्ट्स की उल्लेखनीय यात्रा पर अपने विचार साझा किए। विशाल ददलानी ने कहा, 'इस सीज़न में अद्भुत प्रतिभा और कुछ सचमुच यादगार प्रस्तुतियाँ रही हैं। जिसने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया है, वह है प्रतिभागियों की सीखने की इच्छा, अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना और हर प्रस्तुति के साथ विकसित होना। ग्रैंड फिनाले तक पहुँचना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है, और हमारे शीर्ष 6 फाइनलिस्ट्स ने कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से अपनी जगह बनाई है।

अनाहत वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंची

ओंटारियो (एजेंसी) ● भारत की अनाहत सिंह ने जीत के साथ ही लगातार दूसरी बार वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनर में प्रवेश किया है। अनाहत ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिस्र की हबीबा रिजक को 11-7, 11-5, 6-11, 11-9 से हराया। अब सेमीफाइनल में अनाहत का सामना मिस्र की ही बारब सामेह से होगा। वहीं महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में भी मिस्र की ही खिलाड़ी हावी रहीं। बारब सामेह और मलिका एल्कराक्सी ने हांगकांग, चीन की हेलेन टैंग और बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम को सीधे गेम में हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। बारब ने हेलेन को 11-1, 11-9, 11-7 से और मलिका ने सवाना को 11-8, 11-8, 11-5 से हराया। इसके अलावा, मिस्र की रुकैया सलेम ने भी एक बेहद रोमांचक मुकाबले में मलेशिया की व्हिटनी विल्सन को पांच गेम तक चले मुकाबले के बाद अंतिम चार में अपनी जगह बनायी। रुकैया ने 4-11, 11-5, 8-11, 11-9, 11-7 के स्कोर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भी कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले। इसमें भी मिस्र के ही खिलाड़ी हावी रहे। दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र के एडम हवल ने सऊदी अरब के मोहम्मद अलनासफान को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-3) से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। एक अन्य कड़े मुकाबले में, मिस्र के मारवान असल ने फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन को पांच गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में 11-7, 7-11, 7-11, 11-6, 11-7 से हराया। ब्रिटिश जूनियर चैंपियन और सीडिंग 3/4 सेफेल्डिन रेफे ने बेल्जियम के मैडॉक्स मोक्सहैम को सीधे गेम में 11-6, 11-7, 11-9 से हराया।

अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं : महिमा

मुंबई (एजेंसी) ● अपनी आगामी वेब सीरीज मुसाफिर कैफे को लेकर चर्चा में बनी अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा कि अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण पेशा भी है। महिमा मकवाना का मानना है कि मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे कई ऐसी चुनौतियां छिपी होती हैं, जिनका सामना कलाकारों को रोजाना करना पड़ता है। अनियमित कार्यशैली, लंबे शूटिंग घंटे और लगातार बदलते शेड्यूल कलाकारों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, इसलिए मानसिक रूप से संतुलित रहना उनके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है। महिमा मकवाना ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए एक निश्चित और अनुशासित दिनचर्या बेहद जरूरी होती है। उनका मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित जीवनशैली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिनय ऐसा पेशा है, जहां हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है और इसके लिए मन का शांत तथा संतुलित होना आवश्यक है।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर के बाहर सुरक्षाकर्मी पर चाकू से वार, फूल-प्रसादी की दुकान हटाने को लेकर हुआ विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाहर पिनाकी द्वार के पास शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही मंदिर की क्विक रिस्पॉन्स टीम के एक कर्मचारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। फूल प्रसादी की दुकान हटाने के विवाद को लेकर हुए इस हमले में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसका भागते हुए एक वीडियो भी सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शी सुधीर के अनुसार, मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों से वीआईपी मूवमेंट व सुरक्षा के मद्देनजर फूल प्रसादी की अवैध दुकानें हटवाई जा रही थीं। इसी दौरान पिनाकी द्वार के पास भूरा माली की दुकान पर काम करने वाले अंकुश नामक युवक का क्यूआरटी टीम से विवाद हो गया। आरोपी अंकुश ने टीम के सदस्य आकाश राठौर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकूबाजी की घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद गोपाल और सुधीर नामक युवकों ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी अंकुश को दबोचने का प्रयास भी किया, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा। घटना के तुरंत बाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी वारदात को अंजाम देकर सड़क पर दौड़ लगाकर भागता हुआ साफ नजर आ रहा है। लहुलुहान हालत में सुरक्षाकर्मी आकाश को तुरंत जिला चरक अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद भी हालत में सुधार न होने और घाव गहरे होने के कारण उसे शहर के एक निजी अस्पताल में रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही महाकाल थाना पुलिस और मंदिर प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सावन में रविवार को खुलेंगे स्कूल सोमवार को रहेगी छुट्टी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● भगवान महाकाल की सावन सवारी के दौरान शहर में उमड़ने वाली भारी भीड़ और यातायात जाम को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के संचालन में बदलाव करने का निर्णय लिया है। 3 अगस्त से 31 अगस्त तक उज्जैन शहर के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सोमवार को अवकाश रहेगा, जबकि उसकी भरपाई के लिए रविवार को नियमित कक्षाएं लगेंगी। सावन माह की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है। इस वर्ष भगवान महाकाल की कुल छह सवारियां निकाली जाएंगी। इनमें सावन माह में चार सवारियां 3, 10, 17 और 24 अगस्त को निकलेंगी। इसके बाद भादौ माह में 31 अगस्त को पांचवीं सवारी और 7 सितंबर को राजसी (शाही) सवारी निकाली जाएगी।

31 अगस्त तक सोमवार को अवकाश, रविवार को स्कूल

जिला प्रशासन के निर्णय के अनुसार 31 अगस्त तक प्रत्येक सोमवार को स्कूल बंद रहेंगे और उससे एक दिन पहले रविवार को स्कूल संचालित किए जाएंगे। यह व्यवस्था केवल उज्जैन शहर के सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगी। वहीं 7 सितंबर को निकलने वाली राजसी (शाही) सवारी के दौरान हर वर्ष की तरह पूरे जिले में अवकाश घोषित किया जाएगा। ऐसे में अंतिम सवारी के दौरान रविवार और सोमवार दोनों दिन स्कूल बंद रहेंगे।

भीड़ और जाम से बचाने के लिए फैसला

प्रशासन के अनुसार महाकाल की सवारी के दौरान लाखों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं। इससे शहर के प्रमुख मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। स्कूल बसें भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे बच्चों और अभिभावकों को परेशानी होती है। इसी कारण हर वर्ष सवारी वाले दिन स्कूलों में अवकाश घोषित किया जाता है और उसकी भरपाई रविवार को कक्षाएं लगाकर की जाती है।

भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी शाम 4 बजे मंदिर के सभा मंडप में पूजन-अर्चन के बाद प्रारंभ होगी। इसके बाद सवारी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी, जहां पूजन-अर्चन होगा। इसके बाद सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती समाज मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से होते हुए पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेगी। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि सावन माह में महाकाल की सवारी के दौरान स्कूल संचालन की व्यवस्था हर वर्ष की तरह ही रहेगी। इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक आदेश जारी किए जाएंगे।

60 करोड़ का फ्लाईओवर बनेगा, जाम और हादसों से मिलेगी राहत

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● लेबड़-नयागांव फोरलेन पर स्थित बड़ी चौपाटी पर वर्षों पुरानी यातायात समस्या का समाधान होने जा रहा है। शासन ने यहां 60 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाईओवर और सर्विस रोड के निर्माण के लिए वित्तीय प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2026-27 के अनुपूरक बजट में इस परियोजना को शामिल किया है, जिससे नगरवासियों की मांग पूरी होने की उम्मीद है। यह परियोजना केवल बदनावर के लिए ही नहीं, बल्कि सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फ्लाईओवर बनने के बाद हाईवे का तेज रफ्तार यातायात और स्थानीय वाहनों की आवाजाही अलग-अलग हो जाएगी, जिससे दुर्घटनाओं और जाम की समस्या में बड़ी राहत मिलेगी। बड़ी चौपाटी उस राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है जो देश की राजधानी दिल्ली, आर्थिक राजधानी मुंबई, गुजरात की राजधानी अहमदाबाद और मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल को जोड़ता है। यह बदनावर का प्रमुख बस जंक्शन भी है, जहां से चारों दिशाओं के लिए यात्री वाहन उपलब्ध होते हैं। प्रतिदिन यहां से 150 से अधिक बसों का आवागमन होता है, जबकि हजारों यात्री बस बदलने के लिए इसी चौपाटी पर उतरते हैं। इसके अतिरिक्त, फोरलेन मार्ग पर रोजाना करीब 7 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव के कारण यहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे यात्रियों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वर्ष 2008-09 में फोरलेन निर्माण के दौरान यहां एक छोटा ब्रिज बनाया गया था, लेकिन यह शुरुआत से ही अनुपयोगी साबित हुआ। अंबिका स्कूल के सामने बने इस अंडरपास की ऊंचाई कम होने और मोड़ संकरा होने के कारण ट्रक, ट्राले और बसों को निकलने में भारी परेशानी होती है।

परिणामस्वरूप चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं और कई बार वाहन आपस में फंस जाते हैं। यही कारण है कि बड़ी चौपाटी को बदनावर का सबसे संवेदनशील यातायात बिंदु माना जाता है। बड़ी चौपाटी पर तेज रफ्तार वाहनों और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण अब तक 17 से अधिक लोगों की मौत सड़क हादसों में हो चुकी है। बीच सड़क पर वाहन खड़े होने, अव्यवस्थित बस स्टॉप और ट्रैफिक नियंत्रण की कमी के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से यहां फ्लायओवर की मांग कर रहे थे। प्रस्तावित परियोजना के तहत फ्लाईओवर बनाया जाएगा और दोनों ओर सर्विस रोड विकसित की जाएगी। इससे हाईवे से गुजरने वाले वाहन फ्लायओवर से निकलेंगे, जबकि स्थानीय यातायात सर्विस रोड का उपयोग करेगा। इससे चौपाटी पर क्रॉसिंग आसान होगी और जाम की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। हालांकि परियोजना की विस्तृत डीपीआर अभी एमपीआरडीसी से प्राप्त होना शेष है। प्रशासनिक एवं तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर जारी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

अब वाट्सएप पर भर सकेंगे संपत्ति कर और जलकर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नगर निगम ने संपत्ति कर और जलकर के ऑनलाइन भुगतान को और आसान बनाने के लिए वाट्सएप चैटबॉट सुविधा शुरू कर दी है। अब उपभोक्ताओं को कर जमा करने के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे 75524-65110 नंबर पर हाय लिख मैसेज भेजेंगे और तय प्रक्रिया पूरी कर घर बैठे ही संपत्ति कर व जलकर का भुगतान कर सकेंगे। वाट्सएप पर पहले भाषा का विकल्प मिलेगा, जिसमें हिंदी या अंग्रेजी का चयन करना होगा। इसके बाद पांच विकल्प दिखाई देंगे- हमारे बारे में, बिल भुगतान, योजनाएं, महत्वपूर्ण नंबर और उपयोगी लिंक। बिल भुगतान का विकल्प चुनते ही उपभोक्ता अपनी संपत्ति कर आईडी या मोबाइल नंबर दर्ज कर सीधे संपत्ति कर और जलकर का भुगतान कर सकेंगे। यही सुविधा एमपी ई-नगरपालिका पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध है। नगर निगम अब जलकर आईडी को संपत्ति कर आईडी से लिंक करने का काम भी कर रहा है। उपभोक्ता एक ही प्लेटफॉर्म से दोनों करों का भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए उपभोक्ताओं के मोबाइल नं. भी एमपी ई-नगरपालिका पोर्टल पर अपडेट किए जा रहे हैं। नगर निगम में आयोजित संपत्ति कर एवं जलकर विभाग की समीक्षा बैठक में जानकारी गुरुवार को दी गई। बैठक में 12 सितंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त योगेंद्रसिंह पटेल ने बड़े बकायादारों को तत्काल बिल जारी करने और घर-घर वितरण के निर्देश दिए। नोटिस के बावजूद कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं जलकर विभाग को अवैध नल कनेक्शनों के खिलाफ अभियान चलाकर उन्हें काटने और बार-बार नोटिस के बाद भी कनेक्शन वैध नहीं कराने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सिंहस्थ, साइबर अपराध व जरूरतों को देखते हुए फैसला, मप्र को मिलेंगे 9,662 पुलिस जवान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मध्यप्रदेश पुलिस को जल्द 9,662 नए जवान और अधिकारी मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को पुलिस विभाग में लंबे समय से रिक्त पड़े इन पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पुलिस भर्ती प्रक्रिया कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) के माध्यम से कराई जाएगी। सरकार का कहना है कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों, तेजी से बढ़ते शहरीकरण, साइबर अपराधों की चुनौती और भविष्य में कानून-व्यवस्था की बढ़ती हुई जरूरतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। भर्ती में सबसे अधिक 8,500 पद आरक्षक संवर्ग के हैं। इनमें 7,500 सामान्य आरक्षक और 1,000 आरक्षक (चालक) शामिल हैं। इसके अलावा 655 पद शीघ्रलेखक और सहायक उप निरीक्षक (एम) तथा 507 पद सूबेदार और उप निरीक्षक संवर्ग के भरे जाएंगे।

छात्र प्रदर्शन में युवाओं ने क्यों पहनी ना मर्दों के प्रदेश मप्र..., वाली टी शर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन की धमक मप्र के इंदौर में भी गूंज रही है। यहां भी 23 दिन से ही भंवरकुआं चौराहे पर आंदोलन चल रहा है। लेकिन इसी बीच एक शर्ट ने मामला गरमा दिया है। इंदौर के जंतर-मंतर के नाम से प्रसिद्ध हो रहे भंवरकुआं चौराहे पर 23 दिन से छात्र आंदोलन जारी है। खासकर दिल्ली जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में जब से लाठीचार्ज हुआ है, इंदौर में इस प्रदर्शन में और भीड़ उमड़ गई है। न्याय यात्रा रोकने के लिए पुलिस को चौराहे को छावनी बनाना पड़ गया। इसी आंदोलन में एक टी शर्ट चर्चा में आ गई है। इस पर लिखा है कि- ना मर्दों के प्रदेश, मप्र से भी आए हैं मर्द। यह टी शर्ट इस आंदोलन की शुरूआत करने वाले पवन अहिरवार और उनके साथियों ने पहनी। इसे लेकर छात्र आंदोलन में नारेबाजी भी की गई।

दरअसल दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रशांत नाम का युवा भी पहुंचा। उसका एक वीडियो सामने आया। उसने कहा कि मैं प्रशांत हूं और मैं ना मर्दों के प्रदेश मप्र से आया हूं। वहां कोई आवाज नहीं उठाता है। ना युवाओं के आंदोलन होते हैं। दिल्ली आकर मुझे अच्छा लगा। हमारे यहां तो जमीर ही जिंदा नहीं है। पेपर लीक होते हैं, उन्हें जूते भी मारो, गालियां भी देते रहो कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। आज इंदौर में आयोजित नीट पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन में युवाओं के साथ शामिल होकर उनकी आवाज़ को मजबूती देने का प्रयास किया। इस अवसर पर मैंने छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जाँच तथा जवाबदेही तय करने की आवश्यकता पर अपनी बात रखी। देश का युवा ईमानदारी से मेहनत करता है। उसकी मेहनत के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जा सकता। विद्यार्थियों का विश्वास बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इसका जवाब देने के लिए पहनी टी-शर्ट

यह वीडियो सामने आने के बाद पवन अहिरवार और उनके साथियों ने यह टी शर्ट बनवाई। पवन ने बताया कि इस टी-शर्ट को लेकर हम संदेश दे रहे हैं कि मप्र ना मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां मर्द भी है और वह भी आंदोलन करना जानते हैं। यह बात काफी सही है कि यहां बात उठती है लेकिन कुछ नहीं होता है, चाहे पटवारी भर्ती कांड हो, कफ सिरप कांड हो, बावड़ी हादसा हो, एमवायएच में चूहे कुतरने से बच्चों की मौत का मामला हो, इंदौर में ट्रक घुसकर लोगों की मौत का मामला हो या कोई और। यहां कुछ नहीं होता है, कुछ देर खबरें चलती है और किसी पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में हम आवाज उठा रहे हैं और बता रहे हैं कि ऐसा नहीं चलेगा और यहां भी मर्द हैं, जो आवाज उठाना जानते हैं।

हमारा धरना जारी रहेगा

उधर भंवरकुआं पर अनिश्चितकालीन धरना जारी है। अरुण बड़ोले ने बताया कि हम सभी साथी अपनी जायज़ मांगों को लेकर पूरी मजबूती के साथ डटे हुए हैं। आज 25वां दिन है। बारिश और कठिन परिस्थितियों के बावजूद हमारा हौसला कम नहीं हुआ है। सोनम वांगचुकजी ने अपना अनशन तोड़ दिया है, लेकिन छात्र-युवा हितों और हमारी मांगों के समर्थन में हमारा संघर्ष लगातार जारी रहेगा। सरकार की ओर से आश्वासन मिला है, लेकिन जब तक हमारी मांगों का पूर्ण और ठोस समाधान नहीं होता, तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

भोजशाला के पास आज भी नमाज नहीं, जगह पर उलझन, सुप्रीम कोर्ट में केस लिस्ट नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार के भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने मालीबाड़ा स्थित 40 पीर को नमाज के लिए तय किया था। लेकिन मुस्लिम पक्ष ने 17 जुलाई के बाद 24 जुलाई को भी वहां नमाज पढ़ने से इनकार कर दिया। धार भोजशाला मामले में हाजी मुनीर द्वारा याचिका लगाकर प्रशासन द्वारा 40 पीर पर जगह देने पर आपत्ति ली गई है। वहीं सरकार की ओर से कहा गया है कि वह पास में जगह देने के लिए प्रशासन को मनाएंगे। इस संबंध में 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में बात हुई थी। शुक्रवार 24 जुलाई को सुनवाई संभावित थी, लेकिन केस लिस्ट नहीं हुआ और जानकारी के अनुसार पक्षकार ने भी इसमें मेंशन लेकर जल्द सुनवाई की मांग नहीं रखी।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार की नमाज के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक जगह देने को कहा है। लेकिन प्रशासन ने जो जगह तय की है, उससे मुस्लिम पक्ष संतुष्ट नहीं है। मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास दाईं ओर स्थित खिलजी दरगाह में नमाज की जगह चाहता है।

इस मुद्दे पर गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही संभागायुक्त सुदाम खाड़े, धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, धार एसपी सचिन शर्मा और अन्य अधिकारियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जगह तय की जाए। इसके बाद अधिकारियों ने मुस्लिम पक्ष से भी बात की।

जगह को लेकर नहीं बनी सहमति-मुस्लिम पक्ष ने एक बार फिर प्रशासन से भोजशाला परिसर के पास खिलजी दरगाह में नमाज की जगह मांगी। लेकिन इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन सकी। प्रशासन को आशंका है कि वहां जगह देने से आगे दोनों पक्षों के आने-जाने में परेशानी हो सकती है। वहीं मुस्लिम पक्ष 40 पीर में नमाज पढ़ने के लिए तैयार नहीं है।
धार कलेक्टर यह बोले-सूत्र ने इस मुद्दे पर धार कलेक्टर मीणा से बात की। उन्होंने कहा कि जगह को लेकर हमने सामने वालों से भी विकल्प मांगे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था में भी समस्या नहीं आए। हमने जो जगह बताई, वह काफी सोच-समझकर बताई है। सभी से संवाद लगातार जारी है।

जजों पर आरोप लगाने वाले वकील नरेंद्र जैन पर आजीवन बैन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने मध्यप्रदेश के पूर्व न्यायिक अधिकारी नरेंद्र कुमार जैन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्हें गंभीर पेशेवर कदाचार का दोषी मानते हुए वकालत से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया।

क्या है पूरा मामला-कानून पेशे की गरिमा से जुड़ा एक बड़ा फैसला सामने आया है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने मध्य प्रदेश के पूर्व न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता नरेंद्र कुमार जैन को वकालत से स्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। यह कार्रवाई लंबे समय से चले आ रहे पेशेवर कदाचार के मामले में हुई है। बीसीआई ने माना कि उनका आचरण कानून पेशे की साख को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाला था।

यह सिर्फ आलोचना नहीं थी: बीसीआई- बार काउंसिल ऑफ इंडिया की अनुशासनात्मक समिति ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी न्यायाधीश या संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले ठोस आधार होना जरूरी है। समिति के अनुसार निष्पक्ष और जिम्मेदार आलोचना स्वीकार की जा सकती है। लेकिन बिना भरोसेमंद सबूत के लगातार आरोप लगाना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

समिति ने कहा कि नरेंद्र कुमार जैन ने कई बार सोशल मीडिया का उपयोग कर न्यायपालिका और अन्य संस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाए। रिकॉर्ड में ऐसे आरोपों के समर्थन में कोई विश्वसनीय कानूनी सामग्री नहीं मिली। इसलिए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि पेशेवर जिम्मेदारी का उल्लंघन माना गया।

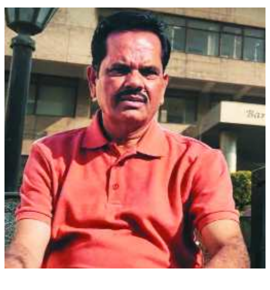

एनेस्थीसिया दवाओं की कमी से सुपर स्पेशियलिटी में सर्जरियां हुईं प्रभावित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एनेस्थीसिया की आवश्यक दवाओं की कमी के कारण मरीजों की सर्जरियां प्रभावित हो रही हैं। अस्पताल में हृदय, न्यूरो, कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों का इलाज किया जाता है, लेकिन जरूरी दवाएं उपलब्ध नहीं होने से कई निर्धारित ऑपरेशन टालने पड़ रहे हैं।

अस्पताल सूत्रों के अनुसार बुपिवाकेन हेवी, ग्लाइकोपाइरॉलेट और मायोपाइरॉलेट इंजेक्शन का स्टॉक खत्म हो गया है। ये दवाएं स्पाइनल और जनरल एनेस्थीसिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि इनके बिना कई प्रकार की बड़ी सर्जरियां सुरक्षित रूप से नहीं की जा सकतीं। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 12 से 15 बड़ी सर्जरियां होती हैं। इनमें कार्डियक, न्यूरोसर्जरी, ऑन्कोलॉजी और अन्य जटिल ऑपरेशन शामिल हैं। दवाओं की कमी के चलते कई मरीजों को नई तारीखें दी जा रही हैं। दूर-दराज के जिलों से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी बार-बार अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि आवश्यक दवाओं की आपूर्ति के लिए सेंट्रल स्टोर को कई बार मांग-पत्र भेजे गए हैं। इसके बावजूद पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इस संबंध में अस्पताल प्रशासन को भी लिखित शिकायत दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही दवाएं उपलब्ध करा दी जाएंगी, जिससे प्रभावित सर्जरियों का काम सामान्य हो सकेगा और मरीजों को राहत मिलेगी।

संबल योजना रिश्वत कांड...

अब सभी वार्ड प्रभारियों को हटाएगा नगर निगम

महापौर ने निगमायुक्त को दिए निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● संबल योजना में 2 लाख रुपए दिलाने के एवज में वार्ड प्रभारी महिला मस्टरकर्मी और सहायक प्रभारी ने रिश्वत मांगी। कल वार्ड प्रभारी को 5 हजार रुपए रिश्वत लेते लोकायुक्त की टीम ने रंगेहाथ पकड़ा। सहायक को रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपी बनाया गया है। रिश्वत कांड सामने आने के बाद महापौर ने निगमायुक्त को निर्देशित किया है कि सभी वार्ड प्रभारियों को हटाया जाए, जो कि एनआरवाय के जरिए निगम में भर्ती हुए और सालों से एक ही जगह पर टिके हैं।

ग्राम लिंबोदी के आशीष चौधरी की शिकायत पर निगम जोन-13 की वार्ड प्रभारी मस्टरकर्मी संध्या पथरोड़ को 5 हजार की रिश्वत लेते कल लोकायुक्त पुलिस ने पकड़ा था। वार्ड सहायक प्रभारी हरभजनसिंह सलूजा को भी रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपी बनाया गया है। इधर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने संबल योजना का लाभ देने के एवज में रिश्वत मांगने वाली वार्ड प्रभारी संध्या और सहायक वार्ड प्रभारी सलूजा को नौकरी से बर्खास्त करने के निर्देश निगमायुक्त को दिए हैं। उन्होंने सालों से निगम के जोनों पर एनआरवाय का काम देख रहे वार्ड प्रभारियों को हटाने का कहा है। महापौर भार्गव का कहना है कि एनआरवाय में सरकार की विभिन्न योजना का लाभहितग्राहियों को दिया जाता है। वार्ड प्रभारी और सहायक वार्ड प्रभारी काम के एवज में हितग्राहियों से पैसा मांगते हैं जो कि तो गलत है। इसलिए निगमायुक्त को रिश्वत लेने वाले वार्ड प्रभारी संध्या और सहायक वार्ड प्रभारी सलूजा की सेवा समाप्त करने के साथ एनआरवाय के सभी वार्ड प्रभारियों को हटने का कहा है।

अक्टूबर तक इंदौर पहुंचेगी दूसरी टनल बोरिंग मशीन

भूमिगत मेट्रो निर्माण को मिलेगी नई रफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भूमिगत मेट्रो निर्माण को मिलेगी नई रफ्तार. अक्टूबर तक दूसरी टनल बोरिंग मशीन पहुंचेगी। मेट्रो के भूमिगत कॉरिडोर निर्माण कार्य ने अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर लिया है। सुरंग निर्माण के लिए पहली टनल बोरिंग मशीन के सभी प्रमुख पुर्जे शहर पहुंच चुके हैं। कुल 12 ट्रॉलों में लाए गए इन उपकरणों में मशीन का सबसे अहम हिस्सा कटर हेड भी शामिल हैं, जो जमीन के भीतर चट्टानों और मिट्टी को काटते हुए सुरंग तैयार करेगा। इसके साथ ही परियोजना के अगले चरण की तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों के अनुसार, पहली टीबीएम के सभी पुर्जों को एयरपोर्ट परिसर स्थित निर्माण स्थल पर अगस्त के दौरान जोड़ा जाएगा। इसके बाद मशीन को विशेष रूप से तैयार किए गए करीब 20 मीटर गहरे शाफ्ट में उतारकर स्थापित किया जाएगा। इंस्टॉलेशन और परीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सितंबर से भूमिगत सुरंग की खुदाई शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

इधर, दूसरी टनल बोरिंग मशीन भी थाईलैंड से समुद्री मार्ग के जरिए भारत रवाना हो चुकी है। यह मुंबई बंदरगाह पहुंचने के बाद सडक़ मार्ग से इंदौर लाई जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक दूसरी मशीन के अक्टूबर तक इंदौर पहुंचने की संभावना है। दोनों मशीनों के एक साथ काम शुरू करने से सुरंग निर्माण की गति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी और परियोजना को तय समय-सीमा में पूरा करने में मदद मिलेगी। भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण के लिए टीबीएम तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जिससे शहर की सतह पर यातायात और जनजीवन पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है। यह मशीन जमीन के भीतर सुरक्षित और सटीक तरीके से सुरंग का निर्माण करती है।

एयरपोर्ट क्षेत्र से भूमिगत कॉरिडोर बनेगा

एयरपोर्ट क्षेत्र से भूमिगत कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए सभी तकनीकी और निर्माण संबंधी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मेट्रो रेल परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि पहली टीबीएम के संचालन के साथ ही इंदौर में पहली बार आधुनिक टनल बोरिंग तकनीक से भूमिगत सुरंग निर्माण का कार्य शुरू होगा। दूसरी मशीन के पहुंचने के बाद दोनों दिशाओं में समानांतर खुदाई की जा सकेगी।

पूर्व आईएएस नियाज़ खान की राजनीति में आने की इच्छा, बोले-

भाजपा-कांग्रेस स्वीकार नहीं करेंगे, कॉकरोच पार्टी राजनीति में आई तो ज्वाइन करूंगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश के पूर्व आईएएस अधिकारी और लेखक नियाज़ खान ने राजनीति में आने की इच्छा जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा कि देश में गिरती राजनीति और भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए राजनीति में आना जरूरी है। नियाज़ खान ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मैं कांग्रेस पार्टी में जाना चाहता हूं पर मेरे हिंदू उदारवादी विचारों के कारण कांग्रेस उन्हें स्वीकार नहीं करेगी।

राजनीति की सेवा सबसे बड़ी सेवा-उन्होंने आगे लिखा कि यदि भविष्य में कॉकरोच जनता पार्टी राजनीति में आती है तो मैं उसे ज्वाइन करूंगा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में राजनीति की सेवा सबसे बड़ी सेवा है। नियाज़ खान की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

भाजपा ने हमेशा अलग व्यवहार किया-खान ने कहा कि भाजपा ने हमेशा उनके साथ अलग व्यवहार किया है। आईएएस रहने के दौरान कभी भी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और नहीं किसी बड़े पद पर सेवा का मौका दिया गया। इसलिए यह तय है कि भाजपा भी मुझे नहीं लेना चाहती और कोई काम नहीं सौंपना चाहती है।

निलंबन की मांग उठी तो अचानक मिली शिक्षकों की फाइलें!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा में प्रमोशन की फाइलों को लेकर चल रहा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। सैकड़ों शिक्षकों से बार-बार फाइलें और दस्तावेज मांगने के मामले में अब शिक्षक संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस फाइलों के लिए शिक्षक लंबे समय से परेशान होने का आरोप लगा रहे थे, उन्हीं फाइलों के मामले में जब लिपिक के निलंबन की मांग उठी तो अचानक फाइलें मिल गईं। इधर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का कहना है कि संकुल प्राचार्य की लापरवाही के चलते यह फाईलें इधर-उधर हुई है। कार्यालय के निर्देश अनुसार संकुल प्राचार्य को शिक्षकों की फाईलें एकत्रित कर कार्यालय को जमा करना थी, लेकिन शिक्षक सीधे डीईओ कार्यालय में जमा कर गए, जिसके चलते इन फाइलों के संबंध में आपाधापी निर्मित हुई।

बताया जाता है कि शुक्रवार को मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक परमार और आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष के के आर्य अपने संगठन के अन्य पदाधिकारियों के साथ जिला शिक्षा अधिकारी शौर्य मल्होत्रा से मिले और स्थापना शाखा में पदस्थ लिपिक रोहित खांडेकर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उनके निलंबन की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रमोशन प्रक्रिया में शिक्षकों को हो रही कथित परेशानी और फाइलों को लेकर उठ रहे सवालों से डीईओ को अवगत कराया।

शिकायतों के बावजूद 'कुर्सी' नहीं छूटी!

इसी बीच स्थापना शाखा में पदस्थ लिपिक रोहित खांडेकर को लेकर भी विभाग में चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के अनुसार, पूर्व में शिक्षकों द्वारा उनके व्यवहार और कार्यशैली को लेकर तत्कालीन डीईओ से शिकायत की गई थी। उस समय उन्हें चेतावनी दिए जाने की बात भी सामने आई थी। इसके बावजूद उनकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठते रहे। हालिया प्रशासनिक तबादलों में जब उन्हें डीईओ कार्यालय से हटाया गया तो उन्होंने न्यायालय की शरण ली। बताया जा रहा है कि न्यायालय ने तबादले पर स्थगन आदेश नहीं दिया है, हालांकि विभाग से जवाब मांगा गया है। अब विभाग ने न्यायालय में क्या जवाब दिया, इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

डीईओ का आश्वासन-किसी भी शिक्षक का नहीं होगा नुकसान

सूत्रों के अनुसार, शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों को डीईओ शौर्य मल्होत्रा ने आश्वस्त किया है कि प्रमोशन की प्रक्रिया में किसी भी शिक्षक का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। जो भी पात्र शिक्षक होगा, उसे प्रमोशन अवश्य मिलेगा। एक-दो दिन में शिविर लगाकर भी शेष रह गई फाइलों को जमा कर दिया जाएगा।

एक और लिपिक पर भी कार्रवाई की तैयारी?

इधर, स्थापना शाखा से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो स्थापना विभाग के एक अन्य लिपिक के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है और उसके निलंबन से संबंधित फाइल वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाने की चर्चा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

सूत्रों के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा में बड़ी गड़बड़ी चल रही है कि जिसके चलते एक के बाद एक कर्मचारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ रही है?

शिक्षकों के प्रमोशन की फाइलें गुम होने जैसी कोई बात नहीं है, जिन भी शिक्षकों की फाइलें शेष रह गई है, उन्हें हम विशेष शिविर के माध्यम से मंगवाकर पदोन्नति की प्रक्रिया में शामिल कर देंगे। किसी भी पात्र शिक्षक को किसी भी स्थिति में प्रमोशन की प्रक्रिया से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।
- शौर्य मल्होत्रा, जिला शिक्षा अधिकारी जिला इंदौर

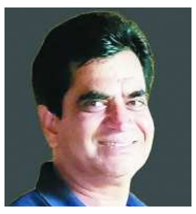

संगठन को लगातार शिक्षकों की शिकायतें मिल रहीं थी डीईओ कार्यालय का बाबू फाइल घूमने का बहाना कर हमारी पदोन्नति रोकने की कोशिश कर रहा है। हमने अन्य संगठनों के साथ डीईओ से मुलाकात कर उक्त बाबू को निलंबित करने की मांग रखी।
- आलोक परमार, कार्यकारी अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस

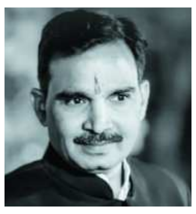

बरसो से प्रमोशन की राह ताक रहे है शिक्षकों के साथ डीईओ कार्यालय के लिपिक द्वारा परेशान किए जाने के विरोध में हम डीईओ से मिले और ऐसे कर्मचारियों को निलंबित करने की मांग रखी। डीईओ ने शिक्षकों को उनका वाजिब हक दिलाए जाने का आश्वासन दिया। **- केके आर्य**, प्रदेश उपाध्यक्ष, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।